आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष–2, अंक–08 अगस्त, 2023

इण्डिया इज आन द मून

23 अगस्त को शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चन्द्रयान-3 ने चन्द्रमा की धरती को छुआ। विद्यालयो, संस्थानो, अपने-अपने घरो में, दुकानो में, रेलवे स्टेशन, बाजार इत्यादि सभी जगहों पर चन्द्रयान-3 के चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरते लाइव देख रहें भारतीय खुशी से झूम उठें। हर भारतीय अपने देश के इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर गौरवान्वित था।

भारत के वैज्ञानिकों ने आधुनिक युग में इतिहास रच दिया, चन्द्रयान-3 की चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैडिंग कराकर भारत चन्द्रमा की सतह को छूने वाला दुनिया का चौथा देश तथा चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया। भारत विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में तेजी से बढ़ता हुआ अपनी यशस्वी पूर्वज-परम्परा को पुनर्जीवन प्रदान कर रहा है।

हम सभी जानते हैं कि मानव सभ्यता के विकास के इतिहास मे भारत की चमक सदैव अग्रणी पंक्ति में रही है। वेद दुनिया का ऐसा प्राचीनतम ग्रन्थ है, जिसमें समाज-जीवन से लेकर ज्ञान-विज्ञान के सूत्र भरे पड़े हैं। श्री राम एवं श्री कृष्ण का युग न केवल श्रेष्ठ जीवन-मूल्य, समाज-दर्शन, राज्य दर्शन का युग है अपितु ज्ञान-विज्ञान का भी श्रेष्ठतम युग है। विज्ञान, मिसाइल जैसे बाण, आग्नेयास्त्र, ब्रह्मास्त्र, सुदर्शनचक्र इत्यादि उस युग की अद्वितीय वैज्ञानिक प्रगति के ऐसे प्रमाण हैं, जिसमें कुछ को प्राप्त करना वर्तमान विज्ञान के समक्ष चुनौती है। स्वास्थ्य विज्ञान मे धन्वन्तरि, चरक, सुश्रुत जैसे ऋषि वैज्ञनिकों की उस युग मे शोध-परक ज्ञान-पम्परा आज भी हमारी दाती है। गणित, ज्यामितीय, खगोल, ज्योतिषी, रसायन, भौतिकी इत्यादि ज्ञान-विज्ञान की भारतीय परम्परा आज भी भारतीय संस्कृति का प्रतिध्वनित करने वाले प्राचीन ग्रंथो मे भरी पड़ी है। हमें उन्हे आज वैज्ञानिक मानदण्डों पर पुनः शोध कर उनका लोककल्याण में उपयोग सुनिश्चित करना है।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री "श्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी" इसरो वैज्ञानिकों के बीच जब अपनी भावाभिव्यक्ति कर रहे थें, उस समय वह भारत के युवा-वैज्ञानिकों को यह कार्य सौप रहें थे कि वे अपने प्राचीनतम ग्रन्थो में संरक्षित वैज्ञानिक सूत्रों को पढ़े-समझे और उन पर शोध कर भारत की ज्ञान-परम्परा के यशस्वी उत्तराधिकारी बनें। प्रधानमंत्री ने इसरो के वैज्ञानिकों को सम्बोधित हुए कहा "हम वहाँ पहुँचे जहाँ कोई नहीं पहुँचा था, हमने वो किया जो पहले कभी किसी ने नहीं किया था। ये आज का भारत है निर्भीक भारत, जुझारू भारत। ये वह भारत है जो नया सोचता है, नए तरीके से सोचता है, जो डार्क जोन मे जाकर भी दुनिया में रोशनी फैला देता है। इक्कीसवी सदी में यही भारत दुनिया की बड़ी-बड़ी समस्याओं का समाधान करेगा।" माननीय प्रधानमंत्री द्वारा चन्द्रयान-2 एवं चन्द्रयान-3 के चन्द्रमा को छूने वाले स्थान का नामकरण करते हुए क्रमशः "तिरंगा" एवं "शिवशक्ति" का नामकरण भी भारतीय दर्शन एवं संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। इसरो के निदेशक डॉ. एस. सोमनाथ जब कहते हैं कि 'वेदो से आएं है विज्ञान के सिद्धान्त' तब आज किसी को आश्चर्य नही होता, क्यों कि हम अपने कार्य से उसे प्रमाणित कर रहे हैं। हमारी वर्तमान युवा पीढ़ी को अपनी मशीनी ज्ञान-परम्परा को पढ़ते, समझते, आधुनिक युग के ज्ञान-विज्ञान क्षितिज पर अपनी चमक बिखेरनी होगी। यही हमारा धर्म है, यही राष्ट्र धर्म है, यही मातृभूमि सेवा-धर्म है, यही हमारी तप और तपस्या है।

वन्देमातरम्!!

–सम्पादक

संदेश

28 अगस्त को हमने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह मनाया है। हमने अपने विश्वविद्यालय का दो सत्र पूरा किया है। तीसरा सत्र प्रारम्भ हो रहा है। नवसृजित संस्था के लिए आरम्भिक वर्ष/सत्र अत्यन्त महत्वपूर्ण होते हैं। इस विश्वविद्यालय सभी घटक-प्रशासनिक, शिक्षक, चिकित्सक, कर्मचारी, विद्यार्थी इत्यादि- संस्था के पदछाप निर्माता होते हैं। अपने इस विश्वविद्यालय के विकसित होने वाले स्वरूप, परिसर, संस्कृति एवं प्रगति पथ के पदचिन्ह के हम सभी निर्माता हैं जैसा पदचिन्ह एक पदछाप छोड़ेगे आगे आने वाली पीढ़ी उसी का अनुसरण कर आगे बढ़ेगी और अपने विश्वविद्यालय का स्वरूप एवं संस्कृति विकसित होगा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के स्थापना दिवस समारोह के साथ-साथ हमने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक युगपुरुष ब्रहमलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं शिक्षा परिषद को वटवृक्ष बनाने वाले राष्ट्रसंत ब्रहमलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति में साप्ताहिक समारोह मनाया है। दोनों आयोजनों का साथ-साथ मनाया जाना सोद्देश्यपूर्ण है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की स्थापना अपने इन्हीं द्वय गोरक्षापीठाधिपति को दी गयी श्रद्धांजलि है। इस विश्वविद्यालय को उन जीवनादर्शो और मूल्यों पर चलना होगा जैसा ब्रहमलीन द्वय गोरक्षपीठाधीश्वर महाराज जी चाहते थे। इसीलिए इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य शिक्षा-चिकित्सा को सेवा के रूप में लोककल्याणार्थ पथ का अनुगमन करते हुए राष्ट्रीय पुननिर्माण में अपना पूर्ण योगदान करना।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विकसित स्वरूप का हमारा लक्ष्य ऊँचा और उदान्त है। असंदिग्ध निष्ठा के साथ शर्तहीन समर्पण है। यह मानते हुए कि मार्ग कंटकाकीर्ण है तथापि सातत्य साधना, विशिष्ट कार्यपद्धति, कठोर परिश्रम के साथ महायोगी गोरखनाथ के आशीर्वाद एवं उनके प्रतिनिधि स्वरूप पूज्य गोरक्षापीठाधिपतियो की प्रेरणा से हम एक ऐसे विश्वविद्यालय की विकास-यात्रा के वाहक बनें जिसका साधना-पथ राष्ट्र-अराधना, लोक-कल्याण, योग-अध्यात्म पर आधारित हो। वह भारतीय संस्कृति के अतीत का आधुनिक मॉडल तथा भावी भारत का युगानुकूल वर्तमान हो। ऐसे विश्वविद्यालय को विकसित करने में हम सभी को स्पष्ट लक्ष्य एवं स्पष्ट दृष्टि के साथ समयबद्ध नियोजन कर कठोर परिश्रम करना होगा। विश्वविद्यालय को भारतीय ज्ञान परम्परा का युगानुकुल प्रतिनिधि बनाना होगा। स्वस्थ वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी मौलिकता एवं विशिष्टता को प्रतिस्थापित करना होगा। इसे अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान-तकनीक का विशिष्ट केन्द्र बनाना होगा। सभी चिकित्सा पद्धतियों की विशिष्टताओ के समन्वय के साथ विशिष्ट चिकित्सा मॉडल खड़ा करना होगा। यह सब करने के लिए विश्वविद्यालय की वर्तमान टीम को एक दिशा मे एक साथ मिलकर कार्य करने होगें। हमे अपनी विशिष्ट कार्यवृत्ति विकसित करनी होगी। अपने इस विश्वविद्यालय को हम अपने अहर्निश प्रयत्न से प्रति सत्र जितना विकसित कर सकेगें, पठन-पाठन की गुणवत्ता में जितना मौलिक विकास कर सकेंगे, प्रयोगशालाओ की गुणवत्ता को जितना बढा सकेगे, पुस्तकालय को जितना अत्याधुनिक कर सकेगें चिकित्सालय में सेवा-भाव का जितना विकास कर सकेंगे इत्यादि कार्य हम सभी के द्वारा अगले स्थापना दिवस पर अपने द्वय ब्रहमलीन पीठाध्वीश्वर को दी जाने वाली वास्तविक श्रद्धांजलि होगी। आइए संकल्प लें कि हम अपनी उर्जा के साथ अपना एवं अपने विश्वविद्यालय का उत्थान करें।

31.08.2023

(मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई)
कुलपति

प्रकाशक : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

दीक्षारंभ (प्रथम दिवस)

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

दिनांकः **01 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. डॉ. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में सत्र 2023–2024 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम, छात्र प्रेरण एवं अभिविन्यास सप्ताह (जो की इस पूरे सप्ताह सक्रिय रूप से क्रियान्वित रहेगा) का शुभारंभ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख द्वीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

उद्घाटन सत्र के प्रथम संबोधन में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय एक प्रयोगशाला है, सभी विधा एक दूसरे के पूरक है, सभी की अपनी क्षमता है, आरोग्यधाम में मानव सेवा और कल्याण भाव के लिए सदैव तत्पर रहें। जीवन में सदैव नए चुनौतियां आएगी। भविष्य में राष्ट्र और समाज के

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते माननीय कुलपति महोदय।

लिए संकल्पित हो।

इसी क्रम में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि कभी हीन भावना न रखें, अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें, अनुशासन से अपनी दिनचर्या को सुव्यवस्थित करें। निश्चय ही आप सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। कोरोना काल में स्वास्थ्य विज्ञान ने कई चुनौतियों का सामना किया और सेवा भाव के साथ दवा और विज्ञान का अद्भुत संतुलन देखने को मिला। उन्होंने छात्रों को प्रेरणा देते हुए पाठ्यक्रम से जोड़ते हुए कहा की दीक्षारंभ में दीक्षा और संस्कार से स्वयं को समर्पित करें। जीवन में संतुलन, व जिज्ञासा आवश्यक है। आप आंख, कान और दृष्टि से चैतन्य रहिए। आपकी स्मरण शक्ति मानव और पशुओं के भाव से अलग करता है। अपनी दीक्षा का सही प्रयोग करके आप अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों को सही दिशा में ले जा सकते है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जोड़ते हुए राष्ट्र समर्पण भाव के प्रति संकल्पित किया।

कार्यक्रम में कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने विद्यार्थियों के आत्मबल एवं आत्मविश्वास को बढ़ाते हुए उन्हें सदा सकारात्मक सोच रखने को कहा और उन्होंने विद्यार्थियों के आपसी भाईचारे की भावना जागृत करने के लिए भी प्रेरित किया।

कार्यक्रम में छात्रों तथा शिक्षकों के बीच चर्चा एवं संवाद स्थापित किया गया जिसमें छात्रों के अपने विषय,पाठ्यक्रम तथा विश्वविद्यालय से संबंधित अपने संशयों को पूछा और शिक्षकों द्वारा उनके प्रश्नों का निराकरण किया गया।

इस दौरान डॉ. पवन कुमार कनौजिया ने विद्यार्थियों को उनके विश्वविद्यालय के नियम तथा अनुशासन से परिचित कराते हुए समस्त शिक्षकों का परिचय दिया। कार्यक्रम में अंत में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की सहायक आचार्य डॉ. अनुपमा ओझा ने उपस्थित सभी गणमान्य के प्रति आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की प्रवक्ता सुश्री प्रभा शर्मा ने किया। कार्यक्रम में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय तथा कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय के समस्त शिक्षकगण की सारस्वत उपस्थिति रही।

विश्व स्तनपान दिवस

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए डॉ. जयकुमार, डॉ. कमलेश व अन्य

दिनांकः **02 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में विश्व स्तनपान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज के अलावा जिला अस्पताल में भी आयोजित हुआ।

नर्सिंग कॉलेज के कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अधीक्षक डॉ. जय कुमार (महिला जिला अस्पताल गोरखपुर) अस्पताल प्रबंधक डॉ. कमलेश, मैट्रन सी.के. वर्मा और विद्यार्थियों के उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा स्तनपान के लाभ, तकनीक, लैच, स्तनपान में छोटी–छोटी समस्याओं और उनके निवारण के विषय में गर्भवती महिलाओं व माताओं को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग चर्तुथ वर्ष के 59 विद्यार्थियों के द्वारा रोल प्ले और मास हेल्थ एजुकेशन से स्तनपान के विषय में अवगत कराया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. डी. एस. अजीथा, प्रिंसिपल गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग ने किया।

दीक्षारंभ (द्वितीय दिवस)

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

दिनांकः **02 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. डॉ. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में सत्र 2023–2024 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम, छात्र प्रेरण एवं अभिविन्यास सप्ताह के द्वितीय दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के जैव एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो राजर्षी कुमार गौड़, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी थे।

दीक्षारंभ में व्याख्यान देते हुए प्रोफेसर राजर्षी कुमार गौड़ जी

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रद्धेय अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख द्वीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम के प्रथम संबोधन में प्रो. राजर्षी कुमार गौड़ ने विद्यार्थियों का आत्मबल बढ़ाते हुए कहा कि हमेशा अपने करियर को लेकर सजग रहें और पढ़ाई इस प्रकार करें की नौकरी के लिए संघर्षरत न होना पड़े, उन्होंने यह भी कहा की हमें अपना लक्ष्य निर्धारित करते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए ,उन्होंने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके विषय की महत्ता बताते हुए उसके विभिन्न उपयोगिता के बारे में चर्चा की।

इसी क्रम में आगे विश्वविद्यालय के माननीय कुलसचिव ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया और उनसे वार्तालाप करते हुए उनकी परेशानियां सुनी तथा शीघ्र समाधान करने को कहा, उन्होंने छात्रों से विश्वविद्यालय के लिए सुझाव प्रस्तुत करने को भी कहा।

कार्यक्रम के तृतीय सत्र में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को एकता की भावना जागृत करने को प्रेरित किया और तकनीकी क्षेत्रों में आ रहे नए–नए प्रयोगों से भी परिचित कराया। उन्होंने क्रेडिट सिस्टम, ग्रेड सिस्टम, सेमेस्टर सिस्टम के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की प्रवक्ता सुश्री प्रभा शर्मा ने किया। कार्यक्रम में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय के समस्त शिक्षकगण की सादर उपस्थिति रही।

दीक्षारंभ (तृतीय दिवस)

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

दिनांकः **03 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. डॉ. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में सत्र 2023–2024 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम, छात्र प्रेरण एवं अभिविन्यास सप्ताह के तृतीय दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. शरद मणि त्रिपाठी रिटायर्ड रीडर, बुद्ध पी.जी. कॉलेज कुशीनगर, डॉ. रुचि गुप्ता संगीत विशेषज्ञ, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी थे।

अभिविन्यास कार्यक्रम के दौरान डॉ. शरद मणि त्रिपाठी जी।

कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख द्वीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम के प्रथम संबोधन में डॉ. शरद मणि त्रिपाठी द्वारा विद्यार्थियों को 'ऊँ' का अभ्यास कराया गया। उन्होंने बताया कि संगीत ही विज्ञान की आत्मा है, संगीत मानव जीवन के हर क्षेत्र में विराजमान है, बच्चे के पैदा होने से लेकर मृत्यु तक वह जाने अनजाने प्रत्येक क्षण संगीत से जुड़ा रहता है, उन्होंने बताया की सृष्टि की उत्पत्ति में संगीत का भी बड़ा योगदान है, कैसे हम संगीत द्वारा अपनी आत्मा एवं चित को शांति प्रदान कर सकते हैं, कृषि को भी संगीत से जुड़ा बताया एवं उन्होंने कई ध्वनि, राग आदि के माध्यम से उत्तर प्रदेश व अन्य क्षेत्रों के लोकगीत को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में डॉ. रुचि गुप्ता जो वर्तमान में यूएसए में संगीत साधना में जुड़ी हैं उन्होंने कहा की संगीत सबको जोड़ने का काम करती है भले वो किसी भी क्षेत्र से संबंध रखता हो, यह भी बताया की संगीत की कोई भाषा नही होती वो किसी भी भाषा को स्वयं में समाहित कर लेता है।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलसचिव ने विद्यार्थियों को बताया की कैसे जीवन के लिए संवेदनशीलता जरूरी है, उन्होंने विद्यार्थियों को सात प्रकार के मूल मंत्र लिखवाए जो की जीवन जीने की कला के लिए अत्यंत अनिवार्य है, उन्होंने विद्यार्थियों को उनके जीवन को व्यवस्थित क्रम में रखने के लिए प्रेरित किया।

विश्व स्तनपान दिवस

छात्रों को सम्बोधित करतीं श्रीमति आस्था।

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांकः **03 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में विश्व स्तनपान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में सुश्री स्वेता अल्बर्ट सुश्री सोनी, सुश्री संगीता, श्रीमति आस्था, अमृता व बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष की छात्राओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ। समारोह में सुश्री स्वेता, सुश्री संगीता, श्रीमति आस्था और सुश्री सोनी चौहान उपस्थित रहें एवं स्तनपान के महत्व, गुड लेच, टाइप ऑफ मिल्क और स्तनपान की तकनीक के बारे में चर्चा की एवं बताया कि स्तनपान बच्चे के विकास व माता के स्वास्थ्य हेतु भी आवश्यक है। बच्चे के लिए लाभदायक होने के अलावा यह माँ को भी कई प्रकार की बीमारियों से बचाता है। कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. डी. एस. अजीथा, प्रिंसिपल ऑफ गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

दीक्षारंभ (चतुर्थ दिवस)

दिनांकः **04 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में चल रहे दीक्षारंभ कार्यक्रम, छात्र प्रेरण एवं अभिविन्यास सप्ताह के चतुर्थ दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. प्रेमसागर त्रिपाठी, पूर्व विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर का सानिध्य एवं विश्वविद्यालय के माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख द्वीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम के प्रथम संबोधन में प्रो. प्रेम सागर त्रिपाठी द्वारा तनाव के विभिन्न प्रकारों एवं स्त्रोतों के बारे में चर्चा कि गयी। उन्होंने विद्यार्थियों को तनाव से दूर रहने के कई उपाय बताते हुए तनाव तथा चिंतन न करने का सुझाव दिया। उन्होंने हमारे दैनिक दिनचर्या के फलस्वरूप उत्पन्न विभिन्न प्रकार के तनाव से निजात पाने के विभिन्न मन्त्र बतायें।

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

अभिविन्यास कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते प्रो. प्रेम सागर त्रिपाठी जी।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलसचिव ने विद्यार्थियों को विश्वद्यालायी मूल्य एवं अवधारणा कि विस्तृत जानकारी देते हुए उन्हें सदा ईमानदार तथा निडर रहने को कहा। उन्होंने प्राचीन भारतीय परम्परा कि महत्ता की भी विस्तृत व्याख्या की। छात्रों का मनोबल बढाते हुए कहा कि वह नए भारत के रचयिता है और उनके द्वारा किया जाना वाला हर कार्य विश्वविद्यालय तथा देश के हित में होना चाहिए।

इस कार्यक्रम में डॉ. अखिलेश कुमार दूबे द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया। डॉ. पवन कुमार कन्नौजिया द्वारा विद्यार्थियों के बीच भाषण प्रतियोगिता संपन्न करायी गयी व कार्यक्रम के अंत में ई. अपूर्वा आनंद सिंह द्वारा कविता, सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रतियोगिता करायी गयी। शिक्षकों द्वारा संपादित प्रतियोगिताओं में नव प्रवेशित विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। आगंतुक अतिथियों का आभार ज्ञापन संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. सुनील कुमार सिंह और संचालन प्रवक्ता सुश्री प्रभा शर्मा ने किया। जिसमें संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय तथा कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित थे।

विश्व स्तनपान दिवस

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

गोरक्षनाथ चिकित्सालय में विश्व स्तनपान दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते डॉ. डी. सी. ठाकुर जी।

दिनांकः **04 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि डॉ. डी.सी. ठाकुर, निर्देशक, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय, डॉ. खुशबू सिंह, गाइनेकोलॉजिस्ट, गोरखनाथ चिकित्सालय, गोरखपुर, डॉ. देवी प्रसाद, एसीएमएस, गोरखनाथ हॉस्पिटल, डॉ. दिवाकर मिश्र, एसीएमएस गोरखनाथ हॉस्पिटल गोरखपुर एवं विद्यार्थियों के उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम समारोह में विद्यार्थियों द्वारा स्तनपान के लाभ, तकनीक, लैच, स्तनपान में छोटी–छोटी समस्याओं और उनके निवारण के विषय में गर्भवती महिलाओं और माताओं को अवगत कराया गया। डॉ. डी. सी. ठाकुर जी ने सभी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

इस कार्यक्रम में डॉ. खुशबू ने माताओं को स्तनपान का सही तरीका बताया। कार्यक्रम में ज्योति वर्मा ने एक सुंदर गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के 20 विद्यार्थियों के द्वारा रोल प्ले और मास हेल्थ एजुकेशन से स्तनपान के विषय में अवगत कराया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व डॉक्टर डी. एस. अजीथा, प्राचार्या, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नेतृत्व में एवं प्रभारी सुश्री स्वेता अल्बर्ट एवं श्रीमती आस्था यादव के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

दीक्षारंभ (पंचम दिवस)

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते श्री अश्वनी कुमार जी।

दिनांकः **05 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में चल रहे दीक्षारंभ कार्यक्रम, छात्र प्रेरण एवं अभिविन्यास सप्ताह के पंचम दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री अश्वनी कुमार राय जी थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख द्वीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर हुआ। कार्यक्रम के प्रथम संबोधन में श्री अश्वनी राय जी ने कहा की वर्तमान में व्यक्ति, सेवा कार्य भूल चुका है और वो आत्मकेंद्रित होकर स्वार्थी हो गया है।

हमें हमारे पूर्वजों से उनके जोश, देशप्रेम, अहिंसा, कर्त्तव्यपरायणता, स्वार्थहीनता, उदारता जैसे गुणों को अपनाना चाहिए और उन्हें ही अपना आदर्श मानना चाहिए। इसके बाद संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की भाषा की कोई बाध्यता नहीं होती हम जिस भी भाषा को बोलने या लिखने में सक्षम हो, हमे उसी भाषा का प्रयोग करना चाहिए।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा की आधुनिकता की बहती धारा में हमे अपनी संस्कृति को न भूलते हुए एक भारतीय होने का परिचय देना चाहिए।

कार्यक्रम में कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह द्वारा विद्यार्थियों को पुरुष एवं महिला छात्रावास संबंधी महत्वपूर्ण नियम एवं अनुशासन से संबंधित जानकारी दी गई इसी क्रम में कृषि विभाग के डॉ. हरी कृष्णा ने एन.सी.सी संबंधी विशेष जानकारी विद्यार्थियों के समक्ष साझा की।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की प्रवक्ता प्रभा शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को ब्रिज कोर्स की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कैसे ब्रिज कोर्स एक विद्यार्थी के अकादमिक जीवन विशेष भूमिका निभाते हैं, अनुशिक्षक श्री अनिल मिश्रा द्वारा नवआवंगुत विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी का भ्रमण कराया गया। सृष्टि यदुवंशी द्वारा विद्यार्थियों के मध्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का संपादन कराया गया।

विश्व स्तनपान दिवस

दिनांकः **05 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेज में अध्ययनरत एएनएम द्वितीय वर्ष की 21 विद्यार्थियों ने ग्राम बालापार में स्तनपान के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीण महिलाओं को स्तनपान के लाभ, तकनीक, लैच, स्तनपान में छोटी–छोटी समस्याओं और कामकाजी महिला द्वारा काम करना और बच्चे को स्तनपान कराना तथा स्तनपान में होने वाली समस्याओं के निवारण के विषय में गर्भवतियों को अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में अचल अचंबेनाथ इकाई के विद्यार्थियों के द्वारा रोल प्ले और मास हेल्थ एजुकेशन से स्तनपान के विषय में अवगत कराया।

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

बालापार में ग्रामीणों को स्तनपान संबंधी जानकारी देतीं छात्राएं

यह कार्यक्रम डॉक्टर डी.एस. अजीथा, प्राचार्या, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

दीक्षारंभ (षष्टम दिवस)

दिनांकः **07 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में चल रहे नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम, छात्र प्रेरण एवं अभिविन्यास सप्ताह के षष्टम दिवस पर कृषि विज्ञान एवं उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने छात्रों को संबोधित करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा शिक्षा में हो रहे नित नए प्रयोगों से अवगत कराया तथा विद्यार्थियों के मनोबल को सदैव सुदृढ़ करने का हौसला दिया।

इसी क्रम में प्रो. सुनील कुमार सिंह ने छात्रों में कार्य के प्रति लगन, एकता, एवं कर्तव्य परायणता को जीवन में उतार कर एक सभ्य विद्यार्थी बनने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने बताया की एक आदर्श विद्यार्थी कैसे बनें एवं जीवन में किस प्रकार से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगन से अध्ययन करें।

दीक्षारंभ में व्याख्यान देते डॉ. विमल कुमार दूबे जी।

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

उन्होंने विभिन्न मानव मूल्यों के बारे में भी विद्यार्थियो को जानकारी दिया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की सहायक आचार्या डॉ. अनुपमा ओझा ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में विस्तार से बताया एवं पौधरोपण कराते हुए वर्तमान परिवेश में पौधों व वृक्षों को संरक्षित करने के उपायों के बारे में भी व्याख्या की।

इस कार्यक्रम को सुश्री सृष्टि यदुवंशी ने संचालित किया जिसमें संबद्ध स्वास्थ्य संकाय एवं कृषि विज्ञान एवं उद्योग संकाय के सभी शिक्षकों की एकीकृत सहभागिता रही।

विश्व स्तनपान दिवस

दिनांकः **07 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल सांइसए आयुर्वेद कॉलेज में आजादी के अमृत महोत्व के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह 2023 पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. निकिता जयसवाल ने स्तनपान के महत्व पर बोलते हुए कहा कि स्तनपान से शिशुओं को सही पोषण देते हुये उनका स्वास्थ्य बेहतर किया जा सकता है। इससे हमारे आने वाली पीढ़ियों को बीमारियों से बचाया जा सकता है। माताओं में स्तनपान कराने से स्तन कैंसर के साथ–साथ विभिन्न कैंसरो की सम्भावना कम हो जाती है। बच्चों को पहले छः माह तक स्तनपान कराना चाहिए जिससे बच्चों में कुपोषण, अस्थमा एवं विभिन्न बीमारियों से बचाया जा सकता है। वायरस व बैक्टेरिया से लड़ने में मदद करता है एवं स्तनपान कराने से बच्चों में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

अध्यक्षीय भाषण देते हुए आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने माता के दुग्ध को अमृत एवं जीवनीय शक्ति प्रदान करने वाला कहा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय व डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया। कार्यक्रम के अंत में आभार ज्ञापन डॉ. अनामिका अरजरिया ने किया।

विश्व स्तनपान दिवस

दिनांक: **07 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में विश्व स्तनपान सप्ताह के सम्मापन समारोह पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें डॉ. पूनम सिंह; मैनेजिंग डायरेक्टर, कात्यानी हॉस्पिटल गोरखपुर, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या, डॉ. डी.एस. अजीथा एवं विद्यार्थियों के उपस्थिति में संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई। बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष की छात्रा श्रद्धा द्वारा स्तनपान सप्ताह व उसका इस वर्ष के थीम पर भाषण प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. पूनम सिंह ने स्तनपान की जानकारियों एवं स्तनपान से जुड़ी समस्याओं का समाधान भी बताया। माननीय कुलपति जी ने स्तनपान की भूमिका व सही तरीका समझाया। डॉ. डी.एस. अजीथा ने समझाया की इस सीख को अपने पोस्टिंग पे जरूर इस्तेमाल करें और माताओं को स्तनपान कराने के लिए जागरूक करें ।

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

विद्यार्थियों को स्तनपान के बारें में जानकारी देतीं डॉ. पूनम सिंह

भारत छोड़ो आन्दोलन

भारत छोड़ो आन्दोलन की जानकारी देते आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय जी

दिनांक: **08 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा भारत छोड़ो आन्दोलन पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें सह आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने बताया कि भारत छोड़ो आन्दोलन 8 अगस्त 1942 को आरम्भ किया गया था। जिसका लक्ष्य भारत से ब्रिटिश साम्राज्य को समाप्त करना था। यह आन्दोलन महात्मा गाँधी द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के मुम्बई अधिवेशन में शुरू किया गया था। गाँधी जी के आह्वान पर समूचे देश में एक साथ आरम्भ हुआ। भारत को तुरन्त आजाद कराने के लिए ब्रिटिश शासन के विरूद्ध एक सविनय अवज्ञा आन्दोलन था। आन्दोलन मे शहीद हुए भारतीयों को अपने शब्दों के द्वारा श्रद्धाजंली अर्पित की।

कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. अनामिका अरजरिया व डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया। इस कार्यक्रम में सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दीक्षारंभ (समापन)

दीक्षारंभ समापन पर शैक्षणिक क्रिया कराते डॉ. संदीप श्रीवास्तव

दिनांक: **08 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में चल रहे नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम, छात्र प्रेरण एवं अभिविन्यास सप्ताह के समापन अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता महोदय ने कहा कि यह दीक्षारंभ कार्यक्रम उनके व्यैक्तिक विकास में मददगार सिद्ध होगा।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में दीक्षारंभ सप्ताह के समापन अवसर पर विद्यार्थियों के मध्य विभिन्न शैक्षणिक क्रियाएं आयोजित की गई। यह क्रियाएं अनुशिक्षक श्री धनंजय पांडे की देखरेख में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के तृतीय सत्र में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को कला एवं सभ्यता विषय पर कुछ मनोरंजक क्राफ्ट का अभ्यास कराया, जिसमें विद्यार्थियों को अपने कौशल को दिखाने का अवसर मिला। समापन अवसर पर डॉ. अमित कुमार दुबे ने विद्यार्थियों को फीडबैक फॉर्म वितरित किया जिसमें विद्यार्थियों को इस पूरे सप्ताह चले दीक्षारंभ कार्यक्रम पर अपना व्यक्तिगत मत देना है और उसे विभाग में जमा करना है।

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

पंचप्रण एवं काकोरी एक्शन डे दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना

दिनांकः **09 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, (आयुर्वेद कॉलेज) की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव श्रंखला के अन्तर्गत ''मेरी माटी मेरा देश'' कार्यक्रम में पंच प्राण शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना के साथ शपथ ग्रहण कराकर विद्यार्थियों को विकसित भारत, एकजुटता एवं नागरिक कर्तव्य के बारे में बताया गया। इकाई के कार्यक्रम डॉ. जशोबन्त डनसना की देख रेख में सम्पन्न कराया गया

पंचप्रण की शपथ लेते हुए शिक्षकगण व विद्यार्थी

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की इकाई उदयनाथ के द्वारा अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में काकोरी एक्शन डे तथा ''मेरी माटी मेरा देश'' कार्यक्रम विषय पर छात्रों के बीच चर्चा एवं अभिचर्चा स्थापित की गयी।

जिसमें संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के समस्त विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक एवं पूरे मनोयोग के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम अधिकारी श्री धनन्जय पाण्डेय ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. अधिष्ठाता कृषि डॉ. विमल दूबे, कार्यक्रम समन्यवयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे एवं विभागों के समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

मेरी माटी, मेरा देश (कार्यक्रम)

राष्ट्रीय सेवा योजना

मेरी माटी, मेरी देश कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सम्बोधित करतीं पैरामेडिकल की शिक्षिका

दिनांकः **10 अगस्त, 2023** को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला क्रम में विभिन्न संकाय में ''मेरी माटी मेरा देश'' कार्यक्रम के अंतर्गत सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में आयोजन के द्वितीय दिन ''मेरी माटी मेरा देश'' विषय पर मिट्टी को नमन करते हुए माटी गीत और वीरो को वंदन गायन प्रस्तुत किया गया।

इस मौके पर ऐतिहासिक स्थल चौरी–चौरा व प्रौण मंदिर इत्यादि स्मृति स्थल से मिट्टी लेकर अमृत कलश का निर्माण किया गया। कार्यक्रम में बी ए स सी व एम ए स सी बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एवं मेडिकल बायोकमेस्ट्री विभाग के छात्रों ने अधिष्ठाता डॉ. सुनिल कुमार सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडेय की देखरेख में संपन्न किया गया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं सम्बन्ध उद्योग संकाय में अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे के अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश'' विषय पर 'माटी गीत' गायन एवं मिट्टी संग्रहण कर कलश निर्माण का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास कुमार यादव ने सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वाधान में महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव के अध्यक्षता में ''मेरी माटी, मेरा देश'' विषय पर 'माटी गीत' गायन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। पैरामेडिकल के छात्र व छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुप्रिया गुप्ता एवं महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के समस्त शिक्षकगण ने विशेष भूमिका निभाई।

मेरी माटी, मेरा देश (वीरो की गाथा)

दिनांकः **11 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संकायों में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला क्रम में 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत विविध कार्यक्रम कराये गये। राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी अचल.अचम्बेनाथ एवं महायोगी गंजकन्थडनाथ के द्वारा गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा की अध्यक्षता में 'वीरों की गाथा' से संबंधित कहानियाँ विद्यार्थियों बताई गयी जिसमें बी.एस.सी. नर्सिंग की छात्रा मोनिका ने शहीद भगत सिंह के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि कैसे देश प्रेमी शहीद भगत सिंह ने अपने जीवन से देश को आजादी दिलाने के लिए अपने आप को देश की सेवा के लिए समर्पित कर दिया था और अपने संकल्प को पूरा किया एवं हंसते–हंसते वीरगती को प्राप्त हो गए।

कार्यक्रम में नर्सिंग के छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सत्यभामा सिंह एवं सुश्री खुशबू मोदनवाल व शिक्षकगण ने विशेष भूमिका निभाई।

इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई के द्वारा कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे के अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' विषय पर राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतिया' का आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ जिसमे इकाई के अधिकारी डॉ. विकास कुमार यादव ने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद इत्यादि वीरों की गाथा के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि स्वतंत्रता संग्राम में अपने बलिदान से देश को स्वतंत्र बनाने का मार्ग कैसे प्रशस्त किया था और उनके जीवन का अनुसरण कर आप कैसे राष्ट्र की सेवा कर सकते है। कार्यक्रम में संकाय के छात्र–छात्राओं व शिक्षकगण ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई के द्वारा 'महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज' के विभागाध्यक्ष श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव के अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' विषय पर 'वीरों की गाथा' से संबंधित वित्रचित्र; डाक्युमेंट्री वीडियो का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया। जिसमें पैरामेडिकल के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग लिया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुप्रिया गुप्ता एवं पैरामेडिकल के समस्त शिक्षकगण ने विशेष भूमिका निभाई।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना के मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के द्वारा गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय पोलियो सप्ताह के अन्तर्गत व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। जिसमें डॉ. नीरज कुमार गुप्ता बाल रोग विशेषज्ञ मुख्य वक्ता रहें। उन्होने बताया कि पोलियो एक गंभीर बीमारी है जिससे बचने के लिए हमेशा सावधान रहना चाहिए। भारत नें 27 मार्च 2014 WHO के द्वारा पूरे दक्षिण पूर्वी एशिया क्षेत्र के साथ–साथ पोलियो मुक्त प्रमाण पत्र प्राप्त किया। लेकिन फिर भी भारत को सतर्क रहें ताकि बाल्यावस्था में प्रतिरक्षा के उच्च स्तर को बनाये रखा जा सके।

व्याख्यान में पल्स पोलियो कार्यक्रम एवं टीकाकरण के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया एवं डॉ. नीरज कुमार गुप्ता ने कहा न केवल पोलियो जागरुकता सप्ताह बल्कि पूरे साल जागरुक रहना चाहिए एवं समाज को जागरुक करना चाहिए। कार्यक्रम शुभारम्भ विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जशोबन्त डनसना एवं आभार ज्ञापन डॉ. प्रज्ञा सिंह के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. अनामिका अरजरिया सभी चिकित्सक सलाहकार एवं विद्यार्थीयों ने अपनी सहभागीता दी।

विद्यापरिषद की बैठक

दिनांकः **12 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की विद्यापरिषद की बैठक सकुशल संपन्न हुयी।

यह बैठक विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश कुमार सिंह, प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर, डॉ. डी.एस. अजीथा, प्राचार्या गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग, डॉ. मंजूनाथ एन. एस. प्राचार्य गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज, डॉ. सुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, डॉ. विमल कुमार दूबे, अधिष्ठाता कृषि विज्ञान संकाय, महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव व सभी शिक्षकगण उपस्थित रहें।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

विद्यापरिषद की बैठक में मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश कुमार सिंह, माननीय कुलपति व अन्य

'अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस'

राष्ट्रीय सेवा योजना

दिनांक: **12 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विभिन्न संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत विविध कार्यक्रम कराये गये, जिसमें गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना के मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस' पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर व्याख्यान देते आयुर्वेद कॉलेज के आचार्य डॉ. विनम्र शर्मा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना कर प्रारम्भ किया गया उसके उपरान्त मुख्य वक्ता डॉ. विनम्र शर्मा ने बताया कि 17 दिसंबर 1999 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने युवाओं के लिए जिम्मेदार मंत्रियों द्वारा विश्व सम्मेलन में की गई एक सिफारिश का समर्थन करके अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस की स्थापना की। यह एक जागरूकता दिवस के रूप में पहली बार 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था तब से इस दिन का उपयोग समाज को शिक्षित करने के लिए किया जाता है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस–2023 की थीम 'युवाओं के लिए हरित कौशल एक सतत विश्व की ओर' अधिक टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और क्षमताओं वाले युवाओं के महत्व पर केंद्रित है। उन्होंने आयुर्वेद के विद्यार्थियों को शोध हेतु दो माह तक मिलने वाली रू 25000 प्रति माह की स्पारक योजना के बारे मेंभी बताया और उनका उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. साध्वीनन्दन पाण्डेय एवं आभार ज्ञापन डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया। कार्यक्रम में सभी चिकित्सक सलाहकार एवं विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना की आदिनाथ इकाई ने कृषि एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय में फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन कराया जिसमें विद्यार्थियों ने अपने आसपास के फोटो चौरीचौरा स्मारक गाँव के धार्मिक स्थल एवं प्राकृतिक दृश्य का प्रदर्शन किया जिसमें बी.एस. सी. प्रथम वर्ष के प्रियेश, उत्कर्ष, संदीप निषाद क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान एवं बी. एस. सी. द्वितीय वर्ष के अर्पित, अनुभव व मोतीलाल ने क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ. अखिलेश कुमार दूबे द्वारा किया गया समस्त कार्यक्रम डॉ. विमल दूबे की अध्यक्षता में डॉ. विकास यादव के संयोजन से संपन्न कराया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों एवं विभाग के समस्त अध्यापक उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय सेवा योजना की उदयनाथ इकाई के तत्वाधान में सम्बन्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' विषय एवं अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि आप ही कल के भविष्य हैं नए भारत की परिकल्पना को आज के युवा ही साकार कर सकते हैं। कार्यक्रम में बी.एस.सी. व एम.एस.सी. बॉयोटेक्नोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एवं मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित थें। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय ने विशेष भूमिका निभाई।

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा विभागाध्यक्ष श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव के अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' विषय पर छात्राओं द्वारा मौलिक रचनाओं की राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें पैरामेडिकल की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुप्रिया गुप्ता व पैरामेडिकल के समस्त शिक्षकगण के सहयोग से संपन्न हुआ।

सिमुलेशन एवं डेब्रीफिंग

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांक: **12 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में 'सिमुलेशन एवं डेब्रीफिंग' पर चर्चा की गयी, जिसमें बताया गया की किस प्रकार सिमुलेशन आज की नई तकनीकियों के साथ नर्सिंग शिक्षा को उत्तम बनाने में उपयोगी है। साथ ही गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल डॉ. डी. एस. अजीथा द्वारा अब्डोमिनल एक्समिनेशन पर डेमोंस्ट्रेसन किया तथा मिस श्वेता अल्बर्ट द्वारा न्यूबोर्न रेसेसिटैटिन पर डेमोंस्ट्रेसन का भी आयोजन किया गया।

सिमुलेशन एवं डेब्रीफिंग की जानकारी देतीं डॉ. डी.एस. अजीथा।

कार्यपरिषद की बैठक

दिनांकः **13 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की कार्यपरिषद की बैठक में छात्रसंघ के संविधान को स्वीकृति दे दी गई। इस संविधान पर मुहर लगाते हुए कार्यपरिषद ने यह संकल्प भी लिया कि मौलिक संस्कृति परिसर का विकास करते हुए यहां मॉडल छात्रसंघ बनाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यपरिषद ने व्यापक छात्रहित में कई निर्णय लिए हैं।

कार्यपरिषद की बैठक में माननीय कुलपति जी व प्राध्यापकगण

यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव प्रशासन, श्री श्रीकांत जी ने बताया कि 155 विषयों पर कार्यपरिषद की बैठक रविवार को हुई। बैठक में विश्वविद्यालय में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों यथा बीएएमएस द्वितीय वर्ष, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी एवं एमएससी बॉयोटेक्नोलॉजी, मेडिकल बायोकेमेस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, कृषि संकाय के पाठ्यक्रम तथा नर्सिंग कॉलेज के बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों पर मुहर लगी। साथ ही इस वर्ष की सभी परीक्षाओं को स्वीकृति मिली। कार्यपरिषद ने नर्सिंग संकाय को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय बनाये जाने पर भी मुहर लगा दी है।

कार्यपरिषद की बैठक में यह भी तय किया गया कि विश्वविद्यालय परिसर में यूनिक स्टेडियम और ऑडिटोरियम की स्थापना की जाए। परिसर में बैंक की शाखा खोले जाने के प्रस्ताव को भी अनुमोदन मिला। कार्यपरिषद ने विश्वविद्यालय परिसर में बहुमंजिला शैक्षणिक ब्लॉक, फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज भवन तथा बहुमंजिला कर्मचारी आवास के निर्माण कार्य का प्रारंभ होना भी अनुमोदित कर दिया है।

उप कुलसचिव ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित हो रहे पंचकर्म केंद्र को केरल की तर्ज पर विकसित करने को भी कार्यपरिषद की स्वीकृति मिली है। कार्यपरिषद ने 'देखो–सीखो–करो' अभियान के तहत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग तथा महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज की टीम के क्रमशः आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद नई दिल्ली, फार्माकोपिया कमिशन ऑफ इंडियन मेडिसिन एंड होम्योपैथी गाजियाबाद, नर्सिंग कॉलेज एसजीपीजीआई तथा केजीएमयू लखनऊ एवं पॉपुलर नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज वाराणसी के किए गए भ्रमण पर भी मुहर लगाई।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई कार्यपरिषद की बैठक में संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पाण्डेय, गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डॉ. शोभा गौड, रामजनम सिंह, डॉ. सी.एम. सिन्हा, डॉ. डी. एस. अजीथा, डॉ. प्रज्ञा सिंह, रोहित कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहें।

स्वच्छता अभियान (कृषि संकाय)

दिनांकः **14 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत महायोगी आदिनाथ इकाई के तत्वाधान में कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे के अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' विषय पर 'स्वतंत्रता दिवस के पूर्व विश्वविद्यालय परिसर मे स्वच्छता अभियान' का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसमें कृषि विज्ञान एवं उद्योग संकाय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास कुमार यादव एवं कृषि विज्ञान एवं सम्बन्ध उद्योग संकाय के समस्त शिक्षकगण ने विशेष भूमिका निभाई।

स्वच्छता अभियान में प्रतिभाग करते विद्यार्थी।

स्वच्छता अभियान (महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज)

दिनांकः **14 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के पैरामेडिकल संकाय में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला के क्रम में 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यक्रम किए गए। राष्ट्रीय सेवा योजना के महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वाधान में महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव के अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा 'स्वच्छता अभियान' का आयोजन किया, जिसमें पैरामेडिकल के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुप्रिया गुप्ता व पैरामेडिकल के शिक्षकगण ने भूमिका निभाई।

स्वच्छता अभियान में प्रतिभाग करते विद्यार्थी।

महर्षि चरक जयंती सप्ताह समारोह

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल सांइसेस

महर्षि चरक जयंती सप्ताह कार्यक्रम में व्याख्यान प्रस्तुत करते मुख्य अतिथि डॉ. रामबाबू एवं डॉ. शशिरेखा

दिनांकः **14 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल सांइसेस, (आयुर्वेद कॉलेज) में महर्षि चरक जयन्ती सप्ताह के अन्तर्गत संहिता सिद्धान्त एवं संस्कृत विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।

व्याख्यान कार्यक्रम के अतिथि व्याख्यान में सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष संहिता सिद्धान्त विभाग बी.एच.यू वाराणसी से डॉ. शशिरेखा ने 'चरक संहिता के कार्य प्रणाली, शैली' एवं डॉ. रामबाबू सह आचार्य बाबू सिंह जय सिंह आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज फर्रूखाबाद से 'पदार्थ विज्ञान की उपयोगिता' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. शशि रेखा ने विद्यार्थियों को संहिता के महत्व को समझाते हुए कैसे संहिता पढ़ना है और उसके रहस्यों को समझना है बताएं। सिर्फ पढ़ने से आप कुशल वैद्य नही बन सकते इसके साथ संहिता के प्रत्येक श्लोक के अर्थ को समझना है, सतत अध्ययन करना होगा। डॉ. रामबाबू ने कहा कि अगर आपको अपने आप को समझना है ब्रहमाण्ड को जानना है तो पदार्थ विज्ञान को जानना होगा। तभी आप श्रेष्ठ चिकित्सक बन सकते है।

वक्ताओं का उद्धेश्य विद्यार्थियों को मूल संहिता के अध्ययन एवं उसे समझना उसके लिए प्रेरित करना रहा। बिना विषय को समझे उस विषय के उत्कर्ष स्थान को प्राप्त नहीं कर सकते है।

सभा का संचालन सुश्रुत सत्र के छात्र सिद्धान्त श्रीवास्तव ने किया। सभा में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस., संहिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शान्ति भूषण, सह आचार्य डॉ. सुमित कुमार एम. सहायक आचार्य डॉ. प्रज्ञा सिंह एवं सहायक आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय उपस्थित रहें।

फायर मार्क ड्रिल (प्रशिक्षण)

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित फायर मॉक ड्रिल का अभ्यास करते टीम के सदस्य

दिनांकः **15 अगस्त, 2023** का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में कॉलेज के सभी विद्यार्थियो को आग लगने की परिस्थिति में किये जाने वाले विभिन्न उपकरणों के उपयोग तथा बचाव के विभिन्न तरीके से अवगत कराया गया। छात्राओं को इसका अभ्यास भी करवाया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व गुरु श्री गोरक्षनाथ की प्रिंसिपल डॉ. डी. एस. अजीथा जी के उपस्थिति में हुआ।

कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेज की प्रोग्राम कोओर्डिनेटर आराधना यादव तथा सभी शिक्षकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

77वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण करते विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी।

दिनांकः **15 अगस्त, 2023** को 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर आरोग्य धाम बालापार रोड सोनबरसा गोरखपुर में राष्ट्रगान और वन्देमातरम की गूंज से पूरा परिसर गुंजायमान हो गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी नें ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके उपरांत माननीय कुलपति जी ने 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत गोरखपुर परिक्षेत्र के आसपास से एकत्रित शहीद स्मारक एवं धार्मिक स्थल से संग्रहीत माटी 'अमृत कलश' पर पुष्पांजलि अर्पित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दूबे ने पंचप्रण की शपथ दिलायी।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न संकाय, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के शिवम पाण्डेय का भाषण, अदिति सिंह ग्रुप का नृत्य, मोनिका गुप्ता की कविता तथा कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय से एकल नृत्य रितिका द्विवेदी, हरेश्वर साहनी ग्रुप ने रामायण की चौपाई से एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की नीलिमा द्विवेदी ने अपने भाषण और महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज की प्रियांशी ग्रुप द्वारा सामूहिक नृत्य के साथ गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल सांइस, आयुर्वेद कॉलेज के सुश्रुत बैच के अभिनव एवं अर्पिता ग्रुप ने सामूहिक देशभक्ति गीत और सिद्धांत श्रीवास्तव नाट्य दल ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी को राष्ट्र भावना से ओतप्रोत कर दिया। महंत दिग्विजयनाथ चिकित्सालय के अर्पित मिश्रा ने अपनी कविता से सभी को सिंचित किया।

कार्यक्रम के अंतिम कड़ी में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम के प्रतिभागियों को कुलपति जी द्वारा सम्मानित किया गया। कुलपति जी ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए सभी को उत्तम स्वास्थ और ज्ञान अर्जन द्वारा वसुधैव कुटुंबकम से रहने के लिए प्रेरित किया तथा अपने देश को ज्ञान के रूप में इस प्रकार से प्रतिष्ठित करें कि सभी आपके साथ रहने को उत्सुक रहें।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा एवं विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, चिकित्सक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने सभी को धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया। समस्त कार्यक्रम का संचालन बी.ए.एम.एस. छात्रा मुस्कान कुशवाहा ने किया।

विभागीय बैठक

विभागीय बैठक के दौरान सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के शिक्षकगण

दिनांकः **16 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. डॉ. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में विभागीय बैठक आयोजित की गई। जिसमें शिक्षकों को यह निर्देश दिया गया की वह आपस में अच्छे से समन्वय के साथ एक टीम की तरह कार्य करें उन्होंने यह भी निर्देशित किया की वह कक्षा में समय पर पहुंचे और अपने शिक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

अधिष्ठाता महोदय द्वारा सभी शिक्षकों को यह आदेशित किया गया की वह प्रत्येक 15 दिन के शिक्षण, अकादमी, शिक्षण प्रशिक्षण गतिविधियां, छात्रों की उपस्थिति संबंधित एक लिखित माध्यम में ब्यौरा तैयार कर आकलन करें साथ ही साथ सभी शिक्षक अपने संबंधित विषय का पूर्ण पाठ योजना (Lesson Plan), Lab Activity, Detailed Action Plan भी जल्दी तैयार कर के उसके अनुरूप ही शिक्षण कार्य करें।

उन्होंने कहा की सत्र 2022–2023 के छात्र जिन्होंने अभी तक अपना रजिस्ट्रेशन नही कराया है। वो शीघ्र अतिशीघ्र रजिस्ट्रेशन कराएं और इसकी जिम्मेदारी कक्ष समन्वयक की होगी। अधिष्ठाता द्वारा कक्ष के सुचारू रूप से संचालन हेतु दिशा निर्देश दिए गए।

इस बैठक में विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाली साप्ताहिक आयोजन जो 22.08.2023 से 28.08.2023 तक सक्रिय रहेंगी

इस बैठक में अधिष्ठाता महोदय द्वारा शिक्षको को ccc का concept बताया गया जिसका मतलब Cooperation, Coordination, Communication है। उसका पालन करते हुए आपसी तालमेल से समूह के रूप में क्रियावन्वित रहें।

बैठक में अधिष्ठाता महोदय ने अपने विचार साझा करते हुए कहा की शिक्षकगण प्रत्येक माह में एक बार भ्रमण के लिए किसी समीप जगह का चुनाव करें यह भ्रमण व्यक्तिगत तथा शैक्षिक रूप से संस्था के लिए हितकर साबित होगा।

महर्षि चरक जयंती सप्ताह समारोह

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

महर्षि चरक जयंती सप्ताह समारोह के दौरान व्याख्यान देते प्रोफेसर परमेश्वर जी एवं डॉ. के. के. मिश्रा जी।

दिनांकः **17 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस आयुर्वेद कॉलेज मे महर्षि चरक जयंती सप्ताह के अंतर्गत क्रिया शारीर विभाग एवं रचना शारीर विभाग द्वारा व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय से आए मुख्य अतिथि डॉ. के. के. मिश्रा सह अध्यापक ने आयुर्वेद में प्रकृति परीक्षण विषय की महत्ता से विद्यार्थियों को परिचित किया।

डॉ. मिश्रा ने कहा प्रकृति हमारी जन्म जात होती है जो माँ के गर्भ मे ही निर्धारित हो जाती है। प्रकृति सात प्रकार की दोषो के उत्कृष्ट के आधार पर होती है। चिकित्सा करते समय आतुर की प्रकृति के जान कर चिकित्सा करनी चाहिए तभी आप चिकित्सा कार्य मे सफलता प्राप्त कर सकते है।

इसी क्रम मे आईटीएम आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. परमेश्वर जी ने विद्यार्थियों को रचना शारीर विषय की महत्ता पर विद्यार्थियों के साथ वार्तालाप करते हुए बताया की चिकित्सा विज्ञान मे बिना शरीर की रचना जाने कोई श्रेष्ठ चिकित्सक नही बन सकता।

आप सभी चिकित्सक बनने आये हैं और चिकित्सा शरीर की होती हैं अतः रचना शारीर विषय को केवल याद ही न करे बल्कि अपने अंदर आत्मसात कर ले। इसके लिए निरन्तर अध्ययन की आवश्यकता होगी हैं निरन्तर अभ्यास व्यक्ति को दक्ष बनाता है। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. एम. एस. छात्रा सिमरन तिवारी ने किया।

टीकाकरण (हेपेटाइटिस बी)

हेपेटाइटिस–बी का टीकाकरण करतीं शिक्षका।

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांकः **17 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में हेपेटाइटिस–बी का टीकाकरण का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत बी. एस सी. नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर की 100 छात्राओं का टीकाकरण मिस खुशबु, मिसेस निधि तथा मिसेस संगीता द्वारा किया गया। छात्राओं को टीकाकरण के दौरान की जाने वाली सावधानियां एवं लाभ के बारे में जानकारी भी दी। छात्राओं को बताया गया की किस प्रकार टीकाकरण से हम हेपेटाइटिस–बी जैसी बीमारी से आसानी से बच सकतें है। कार्यक्रम का नेतृत्व गुरु श्री गोरक्षनाथ की प्रिंसिपल डॉ. डी. एस. अजीथा जी के उपस्थिति में हुआ।

न्यूट्रीशनल प्रोग्राम

दिनांकः **18 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत जीएनएम प्रथम वर्ष की 100 छात्राओं एवं पी.बी. बीएससी के 8 छात्राओ द्वारा न्यूट्रीशनल प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

जिसमे छात्राओं के 12 ग्रुप द्वारा अलग–अलग डाइट के व्यंजन जैसे फाईबर रिच डाइट, फ्रूट चाट, रायता, आयरन रिच डाइट, चुकन्दर जूस, पोहा, कैल्शियम रिच डाइट; लस्सी, मूंग चना स्प्रोउट, लिक्विड डाइट, बनाना समूदी, सत्तू ड्रिंक, मैंगो सेक, ब्लैंसड डाइट, खीर, वेज बिरियानी, दाल तड़का, सलाद, डाइबिटिक डाइट, डैस डाइट, ईडली, सांभर, रायता, बनाना सेक, सलाद बनाया गया तथा उनके न्यूरेटिव वैल्यू को प्रेसेंट भी किया गया।

कार्यक्रम प्रधानाचार्या डॉक्टर डी.एस. अजीथा के नेतृत्व में आयोजित हुआ। कार्यक्रम श्रीमति निधि, सुश्री अमीरता, सुश्री खुशबू, सुश्री रोजी व प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर सुश्री अनामिका, सुश्री आराधना आदि ने संपन्न कराई।

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

छात्राओं द्वारा बनाए गए व्यंजनो का निरीक्षण करती शिक्षकाएं।

महर्षि चरक जयंती सप्ताह समारोह

महर्षि चरक जयंती सप्ताह पर व्याख्यान देतीं डॉ. नेहा श्रीवास्तव।

दिनांकः **19 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस आयुर्वेद संकाय में संहिता सिद्धान्त एवं संस्कृत विभाग द्वारा महर्षि चरक जयंती सप्ताह के अंतर्गत आयुर्वेद में संस्कृत भाषा की उपयोगिता विषय पर व्याख्यान आयोजित किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप मे पधारे डॉ. गणेश पती तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद छात्रों को अंग्रेजी भाषा व संस्कृत व्याकरण का ज्ञान आवश्यक है, संस्कृत शब्दों के गलत उच्चारण से शब्द का अर्थ बदल जाता हैं। अतः सही अर्थ ज्ञान से आप चिकित्सा सिद्धान्तों को समझ सकते हैं। संस्कृत में हर शब्द की उत्पत्ति है। परीक्षा को उद्देश्य मान कर ना पढ़े ज्ञान को उदेश्य से पढेंगे तो सफलता प्राप्त होंगी। जर्मनी मे 1300 संस्कृत विद्यालय है जिसमें शोध कार्य होता है। विदेशों ने भी भारत की संस्कृति और संस्कृत भाषा के महत्व को पहचाना हैं हम इससे दूर भाग रहे हैं। अतः इसके महत्व को स्वीकार करें।

द्वितीय वक्ता के रुप में डॉ. नेहा श्रीवास्तव सह आचार्य प्रबुद्ध आयुर्वेद महाविद्यालय लखनऊ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी प्रतिदिन की कक्षा मे संस्कृत को स्थान देना चाहिए। हमारे सभी ग्रंथ वेद, उपवेद, पुराण सभी संस्कृत में है इनके ज्ञान के लिए अपने इतिहास को जानने के लिए स्वयं को जानने के लिए संस्कृत भाषा ज्ञान आवश्यक है। संस्कृत के एक एक शब्द मे भाव है।

कार्यक्रम में रस शास्त्र के प्रोफेसर डॉ. नवीन ने अतिथियों को आभार ज्ञापित कर कहा संस्कृत शब्द के उच्चारण से हमारे मस्तिष्क में प्रेरणा मिलती है मस्तिष्क मे ऊर्जा का संचार होता है। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस की छात्रा कोमल ने किया।

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

युगपुरूष ब्रम्हलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला

एवं

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वितीय स्थापना दिवस सप्ताह समारोह

स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. सिंह जी एवं मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह् भेंट करते माननीय कुलसचिव जी।

दिनांकः **22 अगस्त, 2023** को विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ पर स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया है जिसकी शुरुआत मंगलवार 22 अगस्त को प्रात 11:00 बजे नर्सिंग कॉलेज स्थित सभागार में मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, डॉ. डी.एस. अजीथा, प्रधानाचार्य, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, डॉ. मंजूनाथ एन.एस. एवं डॉ. ए. के. सिंह कुलपति महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मंजूनाथ जी ने स्वागत भाषण से की। इसके उपरांत बी.एस.सी. नर्सिंग की छात्राओं ने संकल्प गीत प्रस्तुत किया। जिसके पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. ए. के. सिंह ने अपने भाषण के माध्यम से विश्वविद्यालय की उत्पत्ति, उसके उद्देश्य, नर्सिंग सेवा व शिक्षा की वर्तमान स्थिति विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सों में बच्चों की संख्या से अवगत कराया इसके अलावा उन्होंने आयुर्वेद विश्वविद्यालय में 60 आयुर्वेद के परस्नातक के सीटों होने की भी बात कही। उन्होंने टॉपर को 25000, 15000, 10,000 प्रतिवर्ष धनराशि देने की भी बात कही। इसके पश्चात कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने अपने भाषण के दौरान यह बताया कि 1925–1930 के बीच जीवन प्रत्याशा कितनी कम थी। किस तरह अंग्रेजों ने राष्ट्रीयता की भावना को धर्म को कुचल दिया। इस वातावरण में राष्ट्रीयता की भावना को दोबारा जगाने के लिए 1930 में महंत दिग्विजयनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर शिक्षा को नया आयाम दिया

इसके अलावा महंत दिग्विजयनाथ के सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। किस तरह अंग्रेजों ने राष्ट्रीयता की भावना को धर्म को कुचल दिया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय 2 साल के अंदर ही अट्ठारह सौ टेक्निकल छात्राओं के साथ लगातार ना आयामों को छू रहा है। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य डॉ. डी.एस. अजीथा के धन्यवाद भाषण आदर्श गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला द्वितीय दिवस महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला में मुख्य अतिथि डॉ. रेणुका के. जी को सम्मानित करते विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति एवं व्याख्यान देतीं मुख्य अतिथि।

दिनांकः **23 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ पर स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया है जिसके द्वितीय दिवस के पर प्रथम लेक्चर का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें ब्लू हाउस, ग्रीन हाउसए, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के बच्चो का सिंगिंग, (सोलो एवं ग्रुप) हिन्दी, इंग्लिश स्पीच, पेंटिंग तथा पोस्टर का कंपटीशन आयोजित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में डॉ. रेणुका के. प्रिंसिपल, नर्सिंग कॉलेज एम्स गोरखपुर रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने किया। इस अवसर पर डॉ. डी. एस. अजीथा, प्रधानाचार्य, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत मिस रोजी कुमारी ने स्वागत भाषण से किया। इसके उपरांत बी.एस.सी नर्सिंग की छात्राओं ने संकल्प गीत प्रस्तुत किया। जिसके पश्चात मुख्य अतिथि डॉक्टर रेणुका के. ने अपने भाषण के माध्यम से बताया कि नर्सों ने कोविड 19 के दौरान सुपर हीरो बनकर सुपर हीरो मास्क पहन कर फाइट किया। आज के समय की नर्सेज नई आधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से क्वालिटी केयर उपलब्ध करा रही है। नर्सिंग एक कला है जिसके लिए कौशलता की जरूरत है। विदेशों मे भी हमारी भारतीय नर्सेज कुशलता से काम कर रही है। नर्सिंग की उत्पति मां शब्द से हुई इसके बाद इसे अलग-अलग नामों से मूल्यांकित किया गया और एक रिस्पेक्टफुल प्रोफेशन एस्टेब्लिश हुआ। नर्सिंग को विकास, धैर्य एवं दयालुता की जरूरत है ताकि मरीजों को यह विश्वास हो सके की उन्हें ठीक किया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य डॉ. डी.एस. अजीथा के धन्यवाद भाषण आदर्श गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बैठक (प्रवेश समिति) महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

प्रवेश समिति की बैठक की अध्यक्षता करते माननीय कुलपति जी व उपस्थिति गणमान्य।

दिनांकः **23 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी जी की अध्यक्षता में प्रवेश समित की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रवेश समिति की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्री श्रीकांत जी ने बताया फार्मेसी कौंसिल ऑफ इण्डिया से मान्यता प्राप्त बी फार्मा एवं डी.फार्मा में प्रवेश हेतु आवेदन करने के अंतिम तिथि 30 अगस्त, 2023 है एवं प्रवेश परीक्षा दिनांक 02 सितम्बर, 2023 को सम्पन्न होंगी। प्रवेश परीक्षा में अर्ह अभ्यर्थियों की सूची 04 सितम्बर, 2023 को प्रकाशित कर दी जाएगी तथा 10 सितम्बर, 2023 तक प्रवेश पूर्ण कर लिए जाएंगे। एम. एस-सी. नर्सिंग, आर्थोपेडिकल एण्ड प्लास्टर तकनीशियन, एनेस्थीसिया एण्ड क्रिटिकल केयर, डिप्लोमा इन डायलसिस तकनीशियन, डिप्लोमा इन लैब तकनीशियन में रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश की अंतिम तिथि 30 अगस्त, 2023 कर दी गई है।

स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला — तृतीय दिवस — महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दिनांकः **24 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ पर स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के तृतीय दिवस पर व्याख्यान का कार्यक्रम आयोजन किया गया, साथ ही ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों का डांसिंग, (सोलो ग्रुप) हिन्दी, इंग्लिश निबंध लेखन का प्रतियोगिता आयोजित की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। कार्यकम की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रोफेसर सदानंद प्रसाद गुप्त ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से गौरवान्वित किया।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर सदानंद प्रसाद गुप्त ने अपना व्याख्यान प्रारम्भ किया जिसमें उन्होंने महायोगी गोरखनाथ के व्यक्तित्व प्रभाव, वैदिक साहित्य में उनके अमूल्य योगदान के बारें में बताया तथा ये भी स्पष्ट किया की किस प्रकार आधुनिक धर्म प्रवर्तक भी गोरखनाथ के वैदिक साहित्य मे योगदान को मानते है। जिसमे प्रमुख रूप में उन्होंने कहा की 'गोरख के बिना ना नानक हो सकते ना कबीर हो सकते है' तथा गोरखनाथ के प्रभावशाली व्यक्तित्व का वर्णन किया।

व्याख्यानमाला पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त।

कार्यक्रम मे आगे मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने प्रभावशाली उद्देश्य दिया। अंत में कृषि विभाग के अध्यक्ष डॉ. विमल कुमार दूबे के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रीय गीत के साथ तीसरे दिन के कार्यक्रम का समापन हुआ।

स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला — चतुर्थ दिवस — महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. ए. के. सिंह जी।

डॉ ए. के. सिंह जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी।

दिनांकः **25 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ पर स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के चतुर्थ दिवस पर व्याख्यान का कार्यक्रम आयोजित किया गया, साथ ही ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों का क्लासिकल डांसिंग, (सोलो हिन्दी) इंग्लिश पोएम लेखन तथा मेंहदी का कंपटीशन आयोजित किया गया। व्याख्यान माला के चौथे दिन के कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई कार्यक्रम में जहां मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश संग्रहालय के पूर्व निदेशक डॉ. ए. के सिंह उपस्थित रहें वहीं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेई ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

इसी क्रम में प्रोफेसर अमित कुमार दुबे ने स्वागत भाषण दिया। इसके पश्चात डॉ. ए. के. सिंह ने अपना प्रभावशाली व्याख्यान प्रारंभ किया। इसमें उन्होंने पूर्वी उत्तर प्रदेश के मूर्त और अमूर्त विरासत ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा का महत्व पूर्वांचल की सीमाएं मिर्जापुर तथा चंदौली किस शैली चित्र सम्राट अशोक के अभिलेख की विशेषताएं सारनाथ संग्रहालय की ऐतिहासिक वस्तुओं का महत्व धर्म चक्र प्रवर्तन स्कंद गुप्त के अभिलेख की मेहता गौतम बुध का पूर्वी उत्तर प्रदेश से ऐतिहासिक तथा नाथ संप्रदाय के गौरव पूर्ण योगदान के बारे में बताया तत्पश्चात महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने पूर्वी उत्तर प्रदेश की चिकित्सा विरासत से अवगत कराया तथा उसकी महत्ता बताई अंत में एलाइड हेल्थ साइंस के डीन डॉ. सुनील कुमार के धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

द्वितीय व्यावसायिक आयुर्वेदाचार्य

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट अफ्फ मेडिकल साइंसेस

चरक बैच 2021–22 की द्वितीय व्यावसायिक आयुर्वेदाचार्य की कक्षा का शुभारंभ करते प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस.।

दिनांकः **25 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस आयुर्वेद संकाय मे चरक बैच 2021–22 की द्वितीय व्यावसायिक आयुर्वेदाचार्य की कक्षा का शुभारंभ किया गया। आयुर्वेद कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने दीप प्रज्वलन कर कक्षा का शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम मे बीएएमएस छात्राओं ने धन्वन्तरि वंदना एवं सरस्वती स्तुति कर आरोग्यता एवं ज्ञान के लिए प्रार्थना की। इसके बाद प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ जी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ये हमारे गर्व की बात की ना केवल उत्तर प्रदेश में बल्कि पूरे भारत में गुरू गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेस प्रथम आयुर्वेद कॉलेज है जिसने सर्वप्रथम द्वितीय व्यावसायिक आयुर्वेदाचार्य की कक्षा का शुभारंभ किया है। हमे पूरे विश्वास और नए जोश के साथ आगे बढ़ना है और पूरे भारत में अपने आपको स्थापित करना है। इसमें आपकी संस्था आपको हर तरह सहयोग करेगी। बस आप पूरे मन से अपने कर्तव्य को निभाए। एकेडमिक इंचार्ज डॉ. नवीन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की द्वितीय व्यावसायिक सत्र के विषय आपको कुशल चिकित्सक बनाने मे सहायक होंगे, इन विषयो का ज्ञान आपका आधार बनेंगे। चरक बैच के कक्षा समन्वयक डॉ. शान्ति भूषण ने द्वितीय व्यावसायिक सत्र के शिक्षकों से विद्यार्थियों का परिचय कराया। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के सभी शिक्षक एवं चरक बैच के विद्यार्थी उपस्थित रहें।

स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला — पंचम दिवस — महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

मुख्य अतिथि प्रोफेसर एस. के. सिंह जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते माननीय कुलपति जी एवं व्याख्यान देते प्रोफेसर एस. के. सिंह जी।

दिनांकः **26 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ पर स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया है जिसका आज पांचवा दिन एवं चौथा व्याख्यान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों का माइम, पॉट डेकोरेशन, तथा रंगोली का कंपटीशन आयोजित किया गया।

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के पंचम दिवस पर कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि IIT-BHU के प्रोफेसर डॉ. एस. के. सिंह एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई उपस्थित रहें।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में पैरामेडिकल संकाय की अध्यापिका सुश्री सुप्रिया गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। उसके पश्चात मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित प्रोफेसर एस.के. सिंह ने अपने व्याख्यान विषय "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी" में उसके विभिन्न पहलूओं, उद्भव, विकास, एवं आधुनिक युग में उसका प्रयोग, प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंनें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारतीय शोध के द्वारा महामारी के नियंत्रण में भूमिका तथा शिक्षा के सभी क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी के विशेषता आदि के बारें में बताया। तत्पश्चात महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने अध्यक्षीय भाषण दिया अंत में पैरामेडिकल संकाय के प्रधानाचार्य श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव के धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर - एक नजर में

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर परिसर।

दिनांकः **25 अगस्त, 2023** को स्थापना के महज दो साल में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में उच्च, विशिष्ट व रोजगारपरक शिक्षा को नई राह दिखाई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में रोजगारपरक शिक्षा के पाठ्यक्रमों को शुरू कर अल्प समय में ही इस विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान कायम की है। मात्र दो साल में बीएएमएस समेत 21 रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की शुरुआत, शोध–अनुसंधान के लिए कई प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ एमओयू कर इस विश्वविद्यालय ने गोरखपुर को ज्ञान की नगरी बनाने की दिशा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों लोकार्पित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय दो साल में ही शिक्षा के विशिष्ट व प्रमुख केंद्र के रूप में विख्यात हो चुका है। यहां भारतीय ज्ञान मूल्यों का संरक्षण व संवर्धन, वर्तमान और भावी समय को ध्यान में रखकर अनुसंधानिक तरीके से किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यहां पाठ्यक्रम ऐसे हैं जो समाज के लिए लाभकारी, विद्यार्थी के लिए सहज रोजगारदायी हैं। इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ की मंशा 2032 तक गोरखपुर को 'नॉलेज सिटी' के रूप में ख्यातिलब्ध कराने की है। उल्लेखनीय है कि 10 दिसम्बर 2018 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह में आए तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने परिषद के शताब्दी वर्ष 2032 तक गोरखपुर को नॉलेज सिटी बनाने का आह्वान किया था।

इस विश्वविद्यालय की नींव में युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के विचार हैं, जिनका मानना था कि दासता से मुक्ति, स्वावलंबन व सामाजिक विकास के लिए शिक्षा ही सबसे सशक्त माध्यम है। वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ इसी वैचारिक परंपरा के संवाहक हैं। उनके मार्गदर्शन में इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य भारतीय ज्ञान मनीषा के आलोक में मूल्य संवर्धित, रोजगारपरक उस शिक्षा को बढ़ावा देना है जो समग्र रूप में सामाजिक व राष्ट्रीय हितों का पोषण कर सकें। इसी लक्ष्य की दिशा में कदम बढ़ाते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में बीएएमएस की पढ़ाई का सफलतापूर्वक संचालन हो रहा है। आने वाले समय में एमबीबीएस की कक्षाएं भी प्रारंभ करने की भी तैयारी है। अकेले गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में 11 रोजगारदायी पाठ्यक्रम पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। विश्वविद्यालय में मेडिकल साइंस, नर्सिंग, पैरामेडिकल, एग्रीकल्चर, एलॉयड हेल्थ साइंसेज और फार्मेसी से संबंधित डिप्लोमा से लेकर मास्टर तक के 21 पाठ्यक्रम हैं। मसलन दो वर्षीय एएनएम, तीन वर्षीय जीएनएम, चार वर्षीय बीएससी नर्सिंगए दो वर्षीय पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, दो वर्षीय एमएससी नर्सिंग, डिप्लोमा इन डायलिसिस, डिप्लोमा इन आप्टिमेट्री, डिप्लोमा इन इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर, डिप्लोमा इन एनेस्थिसिया एंड क्रिटिकल केयरए डिप्लोमा इन आर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्निशियन, डिप्लोमा इन लैब टेक्निशियन (सभी दो वर्षीय) चार वर्षीय बीएससी एग्रीकल्चर, बीएससी ऑनर्स बॉयोटेक्नालोजी, बीएससी आनर्स बॉयोकेमिस्ट्री, बीएससी आनर्स माइक्रोबॉयोलोजी, दो वर्षीय एमएससी बॉयोटेक्नालोजी, तीन वर्षीय एमएससी मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, तीन वर्षीय एमएससी मेडिकल माइक्रोबॉयोलोजी, दो वर्षीय एमएससी एनवायरमेंटल साइंस, चार वर्षीय बी फार्मा व दो वर्षीय डी फार्मा। वर्तमान दौर में ये सभी पाठ्यक्रम रोजगारपरक हैं और उनकी बहुत मांग है। आने वाले समय में इस तरह के अन्य पाठ्यक्रमों की लंबी श्रृंखला दिखेगी।

चिकिसा, शिक्षा, अनुसंधान रोजगार व ग्राम्य विकास के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने एम्स गोरखपुर, केजीएमयू लखनऊ, आरएमआरसी गोरखपुर, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद, वैद्यनाथ आयुर्वेद, इंडो–यूरोपियन चौंबर ऑफ स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ आदि के साथ एमओयू का आदान–प्रदान किया है। इन एमओयू के माध्यम से शिक्षा, बीमारियों पर शोध के साथ ही आयुर्वेद के क्षेत्र में स्टार्टअप, दवा निर्माण, औषधीय खेती को बढ़ावा मिलेगा तो विश्व स्तरीय अनुसंधान के मार्ग प्रशस्त होंगे। साथ ही गांवों में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाएगा।

स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला षष्टम दिवस महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि प्रोफेसर तेज प्रताप सिहं एवं सरस्वती वंदन करते हुए मुख्य अतिथि, विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य।

दिनांकः **27 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ पर चल रहे स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के षष्टम दिवस पर पंचम व्याख्यान एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच क्विज कॉम्पिटिशन,ड्म्ब सर्राज, फैशन शो तथा प्रदर्शनी प्रतियोगिता करायी गयी।

व्याख्यानमाला में मुख्य अतिथि काशी विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान संकाय के प्रोफेसर तेज प्रताप सिंह ने द्वीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेई ने की।

कार्यक्रम के अगली कड़ी में अतिथियों के स्वागत में स्वागत भाषण गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के सह आचार्य डॉ. विनम्र शर्मा ने दिया।

मुख्य अतिथि तेज प्रताप सिंह ने व्याख्यान में जी–20 की उत्पति, सम्मेलन के कार्य विशेषताएं, महत्व एवं जी–20 सम्मेलन में भारत की भूमिका के विषय पर विस्तार से सभी को अवगत कराया। किस प्रकार भारत विश्व गुरु के रूप में संसार में अपनी पहचान बनाया एवं चीन की नीतियों से उत्पन वैश्विक समस्याएं आदि के बारे में बताया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि विश्वविद्यालय के कार्यो द्वारा भारत को विश्वगुरू बनाने में सहयोग प्रदान करें। कार्यक्रम समापन में गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के आचार्य डॉ. नवीन ने धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

अतिथि व्याख्यान गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर व्याख्यान देते प्रो. एस. के. सिंह।

दिनांकः **27 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस आयुर्वेद कॉलेज मे व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसका प्रारम्भ दीप प्रज्वलन के साथ धन्वन्तरी वंदना से किया गया।

कार्यक्रम में आई. आई. टी., बी.एच.यू के प्रोफेसर एस. के. सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सिखाने और सीखने के तरीके में क्रांति लाने कि क्षमता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रौद्योगिकी का उपयोग करके शिक्षक प्रत्येक छात्र के लिए निर्देश को निजीकृत कर सकते है, तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान कर सकते है, और सीखने की सामग्री को एक विस्तृत विविधता प्रदान कर सकते है। चिकित्साए शिक्षा सहित सभी क्षेत्रो में इसका इस्तेमाल सजगता से किया जाये तो यह विकास कि प्रक्रिया को शीघ्रता से आगे बढ़ा सकती है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. एवं सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन आशीष चौधरी द्वारा किया गया।

युगपुरूष ब्रम्हलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला

एवं

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वितीय स्थापना दिवस सप्ताह समारोह

समापन समारोह

दिनांकः **28 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का दूसरा स्थापना दिवस सोमवार को मनाया गया। इसके साथ ही दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यानमाला का भी समापन हुआ। दूसरे स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जी.एन. सिंह, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

बतौर मुख्य अतिथि डॉ. जी.एन. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय दो महान कर्मयोगियों ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के विचारों को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिया गया मूर्त रूप है। मात्र दो साल में इस विश्वविद्यालय ने जिस तरह कदम बढ़ाएं हैं, जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वह प्रदेश, देश ही नहीं विश्व को नई दिशा देने वाली साबित होंगी। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यों और आधुनिक तकनीकी का संगम बनकर कार्य कर रहा है। डॉ. सिंह ने उत्तर प्रदेश में परिवर्तन व विकास की चर्चा करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश में सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था का अंग है। नीति आयोग और विश्व बैंक के अधिकारी यहां बदलाव का अध्ययन कर विकास प्रक्रिया से अभिभूत हैं।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए प्रति कुलाधिपति, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्यों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय 1932 में स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वटवृक्ष होने का प्रमाण है। 1932 में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक जागरण का जो पौधा रोपा, उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने उसे पुष्पित–पल्लवित कियाएं उसकी कुशलता व सफलतापूर्वक देखभाल वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं। यह विश्वविद्यालय दो महान कर्मयोगियों को श्रद्धांजलि स्वरूप है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह सिर्फ विश्वविद्यालय नहीं बल्कि समाज व राष्ट्र निर्माण का प्रकल्प है। स्थापना के अवसर पर 28 अगस्त 2021 को यहां 550 छात्र थे, आज यह संख्या रिकार्ड दर से बढ़कर 1800 से अधिक हो चुकी है। यहां अत्याधुनिक संसाधन के साथ उत्कृष्ट फैकल्टी भी है। बहुत जल्द यहां विश्व स्तरीय पंचकर्म केंद्र भी सेवा प्रदायी हो जाएगा। डॉ. वाजपेयी ने कहा कि यहां जो छात्र संसद गठित होगा वह पूरे विश्व के लिए रोल मॉडल बनेगा। वह जुलूस भी निकालेगा तो ज्ञान बढाने के लिए।

इसके पूर्व विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने विश्वविद्यालय की प्रगतियात्रा के साथ भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अवस्थापना, अध्ययन, अध्यापन, अध्यात्म व अनुसंधान इस विश्वविद्यालय के आधार स्तम्भ हैं। एक साल में यहां विश्व स्तरीय डिजिटल लाइब्रेरी विकसित हो जाएगी। एक अभिनव प्रयोग करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन में छात्र सहभाग सुनिश्चित करने के लिए सितंबर माह में यहां छात्र संसद का चुनाव होने जा रहा है। छात्र संसद के प्रतिनिधि विश्वविद्यालय प्रशासन के विभिन्न समितियों में भागीदारी करेंगे। आभार ज्ञापन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. ने किया।

इस अवसर पर सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। राष्ट्रीय गीत के साथ समारोह का समापन हुआ।

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के समापन समारोह में सम्बोधित करते मुख्य अतिथि जी.एन सिंह एवं प्रो. उदय प्रताप सिंह जी।

राष्ट्रीय खेल दिवस

कृषि संकाय

राष्ट्रीय खेल दिवस पर व्याख्यान देते कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे।

दिनांकः **29 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला के क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत 'हॉकी के जादूगर' के नाम से प्रसिद्ध 'मेजर ध्यानचंद' की जयंती के अवसर पर विभिन्न ईकाई द्वारा 'राष्ट्रीय खेल दिवस' का आयोजन किया गया महायोगी आदिनाथ इकाई के तत्वाधान में कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे के अध्यक्षता में कृषि स्नातक के छात्र अनिकेत मल्ल ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर अपना विचार व्यक्त करते हुए बताया कि खेल हमारे जीवन में कितना आवश्यक अंग है यही एक माध्यम है जिससे हम सभी निरोग रह सकते है अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में खेल की महत्ता बताते हुए बताया कि कैसे खेल, चरित्र को उभारता है और हमारी जीवनशैली व व्यक्तित्व को बेहतर बनाता है एवं किस प्रकार एक उन्नत राष्ट्र के निर्माण में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं खेल दिवस पर बालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमे राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई, महायोगी उदयनाथ इकाई, महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के स्वंय सेवको ने प्रतिभाग कियाद्य जिसमें महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में सभी विधार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास कुमार यादव एवं के समस्त शिक्षक ने विशेष भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय खेल दिवस

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

दिनांकः **29 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला के क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत महायोगी उदयनाथ इकाई के तत्वाधान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह के अध्यक्षता में मेजर ध्यानचंद के जयंती के आलोक में 'राष्ट्रीय खेल दिवस' का आयोजन किया गया। जिसमे स्नातक के छात्र शिवम पांडेय, शगुन एवं नीरज ने मेजर ध्यानचंद के जीवन परिचय तथा राष्ट्रीय खेल में उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की। इसी क्रम में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार दुबे ने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को खेल में भी अच्छा प्रदर्शन करने को प्रेरित किया। खेल दिवस के अवसर पर बालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय एवं विभाग के समस्त शिक्षको ने विशेष भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर व्याख्यान देते सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार दूबे

राष्ट्रीय खेल दिवस

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

राष्ट्रीय खेल दिवस पर व्याख्यान देते डॉ. जशोबन्त डनसना।

दिनांकः **29 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा मेजर ध्यानचन्द जी के जयंती अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया।

जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. गोपीकृष्णन, विभागाध्यक्ष रोग निदान एवं विकृति विज्ञान रहें। उन्होंने कहा खेल से हमारे जीवन में व्यवहारिक परिवर्तन एवं व्यक्तित्व का निर्माण होता है। खेल से हमारे शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। खेल हमारे भविष्य निर्माण में सहायक होता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस मनाने का सफर 29 अगस्त 2012 से शुरू हुआ था जिसका उद्धेश्य खेल एवं खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाना है। खेल एक समवेशी और फीट समाज को सक्षम बनातें हैं।

व्याख्यान के उपरान्त सह आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय द्वारा फिट इण्डिया प्रतिज्ञा दिलाया गया।

ओणम त्योहार

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'ओणम' कार्यक्रम में उद्बोधन देते मुख्य अतिथि सांसद रवि किशन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

दिनांकः **29 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग ओनम कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि गोरखपुर के सांसद श्री रवि किशन उपस्थित रहें। फिल्म डायरेक्ट श्री राजेश नायर तथा महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई भी उपस्थित रहें। जिसका प्रारम्भ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। छात्राओं द्वारा नाटक तथा त्रिवादरगली डांस प्रस्तुत किया गया। गोरखपुर के माननीय सांसद श्री रवि किशन ने जोशीला भाषण देते हुए कहा की योगी जी तथा मोदी जी का मुख्य लक्ष्य एजुकेशन और मेडिकल है। कार्यक्रम प्राचार्या डॉक्टर डी. एस. अजिंथा के नेतृत्व में सम्पन हुआ।

कार्यकम के दौरान शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन मिसेज आस्था द्वारा किया गया।

संस्कृत सप्ताह : उद्घाटन समारोह

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

संस्कृत सप्ताह पर व्याख्यान देते प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस

दिनांकः **29 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में **संस्कृत सप्ताह** कार्यक्रम के **उद्घाटन समारोह** में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन कर किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों अपने सम्बोधन में कि कहा संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। सभी ज्ञान विज्ञान संस्कृत ग्रन्थों में समाहित है आयुर्वेद के सभी मूल ग्रन्थ संस्कृत भाषा में वर्णित है अतः आयुर्वेद के विद्यार्थियों को बहुत ही मनोयोग से सीखना चाहिए तभी आप संहिता के सूत्रों का यथार्थ ज्ञान जान सकते है। कार्यक्रम के संयोजक आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने संस्कृत भारती गोरक्षप्रान्त पक्ष से प्राचार्य महोदय को विद्यार्थियों के अध्ययनार्थ साइंस इन संस्कृत पुस्तक भेंट किए। आप ने बताया संस्कृत सप्ताह के अन्तर्गत विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति रूचि वर्धन हेतु एक सप्ताह तक आयुर्वेद कॉलेज में विभिन्न प्रतियोगिताएं अतिथि व्याख्यान आयोजित किये जायेगें।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी के प्रति रस शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. नवीन के ने संस्कृत की महत्ता बताते हुए विद्यार्थियों एव शिक्षकों के प्रति संस्कृत भाषा में आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस प्रथम वर्ष की छात्रा कोमल गुप्ता ने किया। उद्घाटन सत्र के बाद संस्कृत वाङ्मये आयुर्वेदः विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. डॉ. सुमित कुमार एम., डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. जशोबन्त डनसना व शिक्षकगण एवं विद्यार्थी रहें।

संस्कृत सप्ताह : अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दिनांकः **30 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में **संस्कृत सप्ताह** अंतर्गत **द्वितीय दिवस** पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख शिरीष कुमार ने कार्यक्रम का शुभारम्भ द्वीप प्रज्ज्वलन कर किया। उन्होंने बीएएमएस विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की संस्कृत विज्ञान की भाषा है प्रायः हमारे समाज के लोग इसे पूजापाठ कर्म कांड की भाषा मानते थे लेकिन भारत के बाहर विदेशी इसे विज्ञान पराविज्ञान की भाषा मानते हैं। आर्यभट का आर्यभटियम, बोधायन सूत्र जिसे पाइथागोरस थ्योरम के नाम से जानते है।वैज्ञानिक शास्त्रं, चरक संहिता, शुश्रुत संहिता जैसे आयुर्वेद ग्रन्थों की भाषा संस्कृत है। कोरोना काल के बाद आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का महत्व देश–विदेश में पहले से अधिक बढ़ा है। यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी तो हमेशा इस को कहते हैं की सभी ज्ञान विज्ञान संस्कृत ग्रंथों में समाहित हैं अब तो इसरो अध्यक्ष डॉ. सोमनाथ ने भी कहा है की भारत से बाहर विदेशों में विज्ञान संस्कृत ग्रंथों से अनुवाद के माध्यम पहुंचा है। आयुर्वेद के विद्यार्थियों को आयर्वेद ग्रन्थों के सूत्रों का यथार्थ भाव जानने के लिये संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है जो अन्य भाषा में अनुदित ग्रन्थों से प्राप्त नहीं हो सकता है।संस्कृत भाषा सीखने के लिए क्रमशः चार सोपान है श्रवणं, भाषणं, पठनं, लेखनम पहले दो सोपान के लिए व्याकरण ज्ञान आवश्यक नहीं है। बीएएमएस विद्यार्थियों को शोध कार्य के प्रति प्रेरित करते हुए उनका

संस्कृत सप्ताह में व्याख्यान देते श्री शिरीष कुमार जी।

आह्वाहन करते हुए कहा की आप न केवल संस्कृत भाषा को बोलना सीखे बल्कि आयुर्वेद मूल ग्रंथों के मूल भाव को समझकर उसमे छिपे नए रहस्योद्घाटन भी करें।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. नवीन के ने कहा संस्कृत भाषा वैज्ञानिकी भाषा है इसमें सभी वर्णों के मुख में विभिन्न उच्चारण स्थान बताये गये है जो आधुनिक विज्ञान रूप से सिद्ध है। आयुर्वेद शास्त्र में संस्कृत मंत्रों के द्वारा मन्त्र चिकित्सा पद्धिति के बारे में भी बताया गया है। मुख्य अतिथि परिचय और संस्कृत की महत्ता बताते हुए स्वागत भाषण कार्यक्रम के संयोजक आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने के किया। आभार ज्ञापन रस शास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. विनम्र शर्मा ने किया। एकल गीत और संचालन बीएएमएस छात्र कोमल गुप्ता ने किया।

युगपुरूष ब्रम्हलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला

एवं

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वितीय स्थापना दिवस सप्ताह समारोह

आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताएं

क्र.सं.	प्रतियोगिता	प्रतिभागी सं		पुरस्कृत प्रतिभागी
साहित्यिक आयोजन				
1	भाषण (हिन्दी)	22	प्रथम	अक्यूप मलिक, बीएएमएस प्रथम वर्ष,
			द्वितीय	नीरज पासवान, बीएससी बॉयोटेक, द्वितीय वर्ष
				रूचि शुक्ला, बीएससी बॉयोटेक, द्वितीय वर्ष
			तृतीय	श्वेता वर्मा, बीएससी नर्सिंग तृतीय समेस्टर
2	भाषण (अंग्रेजी)	19	प्रथम	शिवांगी, बीएएमएस, प्रथम वर्ष
			द्वितीय	श्रिया पाण्डेय, बीएससी नर्सिंग, चतुर्थ समेस्टर
			तृतीय	मोनी कुमारी, बीएएमएस, प्रथम वर्ष
3	पेटिंग	25	प्रथम	सानिया विश्वकर्मा, बीएससी मेडिकल माइक्रो, द्वितीय वर्ष
				ऋतु, बीएससी नर्सिंग, तृतीय समेस्टर
			द्वितीय	रूपाली सिंह, बीएससी नर्सिंग, तृतीय समेस्टर
			तृतीय	शालिनी चौबे, ऑप्टोमेट्री, प्रथम वर्ष
4	पोस्टर मेकिंग	24	प्रथम	प्रितांजलि, बीएएमएस, प्रथम वर्ष
				ऋतु कुमारी, बीएएमएस, प्रथम वर्ष
				खुशबू, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, प्रथम वर्ष
			द्वितीय	श्वेता तिवारी, बीएससी नर्सिंग, चर्तुथ समेस्टर
			तृतीय	सुनीति प्रजापति, बीएससी नर्सिंग, तृतीय समेस्टर
5	निबंध (हिन्दी)	25	प्रथम	श्रेया सिंह, बीएससी बॉयोटेक, द्वितीय वर्ष
			द्वितीय	निधि साहनी, बीएएमएस, प्रथम वर्ष
			तृतीय	अनुराधा, बीएससी नर्सिंग, तृतीय समेस्टर
6	निबंध (अंग्रेजी)	25	प्रथम	मधुबाला शाही, बीएएमएस, प्रथम वर्ष
			द्वितीय	श्रिया पाण्डेय, बीएससी नर्सिंग, चतुर्थ समेस्टर
			तृतीय	ईशा रमन श्रीवास्तव, बीएएमएस, प्रथम वर्ष
7	कविता (हिन्दी)	25	प्रथम	प्रियंका निषाद, एनेस्थीसिया, द्वितीय वर्ष
			द्वितीय	प्रियेष राम त्रिपाठी, बीएससी कृषि, द्वितीय वर्ष
			तृतीय	अदिति सिंह, बीएससी नर्सिंग, तृतीय समेस्टर
8	कविता (अंग्रेजी)	13	प्रथम	अनिकेत मल्ल, बीएससी कृषि, द्वितीय वर्ष
			द्वितीय	सुनिधि श्रीवास्तव, बीएससी बॉयोटेक, प्रथम वर्ष
			तृतीय	श्रेया सिंह, जीएनएम, द्वितीय वर्ष
9	प्रश्नोत्तरी	41	प्रथम	आलोक जायसवाल एवं समूह
			द्वितीय	मधुबाला शाही, एवं समूह
			तृतीय	अमित मल्ल एवं समूह
10	कलश सज्जा	22	प्रथम	निशा कुमार राणा, लैब टेक, द्वितीय वर्ष
			द्वितीय	प्रीति शर्मा, बीएससी बॉयोटेक, प्रथम वर्ष
			तृतीय	विश्वास, एनेस्थीसिया, प्रथम वर्ष
11	प्रदर्शनी	16	प्रथम	अर्पिता सिंह, बीएससी नर्सिंग, प्रथम समेस्टर
			द्वितीय	अनुष्का गुप्ता, बीएससी नर्सिंग, चतुर्थ समेस्टर
			तृतीय	अनमोल पाण्डेय, बीएससी मेडिकल माइक्रो, द्वितीय वर्ष

क्र.सं.	प्रतियोगिता	प्रतिभागी		पुरस्कृत प्रतिभागी
सांस्कृतिक आयोजन				
12	एकल गायन	23	प्रथम	ज्योति वर्मा, बीएससी नर्सिंग, चतुर्थ वर्ष
			द्वितीय	निकिता गुप्ता, बीएएमएस, प्रथम वर्ष
			तृतीय	अदिति शुक्ला, एमएससी बॉयोटेक, प्रथम वर्ष
13	समूह गायन	35	प्रथम	सिद्धांत एवं समूह
			द्वितीय	अभिनव एवं समूह
			तृतीय	कोमल एवं समूह
14	एकल नृत्य	23	प्रथम	सिद्धांत श्रीवास्तव, बीएएमएस, प्रथम वर्ष
			द्वितीय	सोनाली तिवारी, इमरजेंसी एण्ड., प्रथम वर्ष
			तृतीय	खुशी विश्वकर्मा, जीएनएम, प्रथम वर्ष
15	समूह नृत्य	40	प्रथम	सिद्धांत एवं समूह
			द्वितीय	शिवांगी मिश्रा एवं समूह
			तृतीय	अंकिता जायसवाल एवं समूह
16	वेर्स्टन नृत्य	20	प्रथम	रिझिका सिंह, इमरजेंसी एण्ड., द्वितीय वर्ष
			द्वितीय	सिद्धांत श्रीवास्तव, बीएएमएस, प्रथम वर्ष
			तृतीय	अदिति सिह, बीएससी बॉयोटेक, द्वितीय वर्ष
17	क्लासिकल नृत्य	13	प्रथम	निकिता गुप्ता, बीएएमएस, प्रथम वर्ष
			द्वितीय	शिखा, बीएससी नर्सिंग, प्रथम समेस्टर
			तृतीय	प्रियांशी, ऑप्टोमेट्री, द्वितीय वर्ष
18	मेंहदी	25	प्रथम	रिया मौर्या, बीएससी नर्सिंग, प्रथम वर्ष
			द्वितीय	निधि, बीएससी मेडिकल माइक्रो, द्वितीय वर्ष
			तृतीय	अर्पिता चौधरी, बीएससी नर्सिंग, प्रथम वर्ष
19	माइम	30	प्रथम	सिद्धांत एवं समूह
			द्वितीय	कोमल एवं समूह
			तृतीय	शगुन एवं समूह
20	रंगोली	30	प्रथम	प्रगति गिरी एवं समूह
			द्वितीय	साक्षी प्रजापति एवं समूह
			तृतीय	खुशी मद्देशिया एवं समूह
21	फैशन शो	51	प्रथम	अदिति सिंह एवं समूह
			द्वितीय	प्रेरणा एवं समूह
			तृतीय	अंजलि सिंह एवं समूह
22	ड्रम्ब सर्राड	21	प्रथम	सिद्धांत एवं समूह
			द्वितीय	सुषमा गौंड एवं समूह
			तृतीय	शिवागी मिश्रा एवं समूह

स्थापना दिवस पर आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला

क्र.सं.	दिवस	दिनांक	विषय	मुख्य अतिथि
1	प्रथम दिवस	22.08.23	उद्घाटन	डॉ. ए.के. सिंह, कुलपति, महायोगी गुरू गोरखनाथ आयूष विश्वविद्यालय, गोरखपुर
2	द्वितीय दिवस	23.08.23	भारत में नर्सिंग सेवाएं	डॉ. रेणुका के., प्राचार्य नर्सिंग कॉलेज एम्स, गोरखपुर
3	तृतीय दिवस	24.08.23	महायोगी गोरखनाथ का सामाजिक, सांस्कृतिक प्रदेय	प्रोफेसर सदानन्द प्रसाद गुप्त, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश, हिन्दी संस्थान
4	चतुर्थ दिवस	25.08.23	भारत की सांस्कृतिक विरासत	डॉ. ए.के. सिंह, पूर्व निदेशक, उत्तर प्रदेश, संग्रहालय
5	पंचम दिवस	26.08.23	शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	प्रोफेसर एस.के. सिंह, आई.आई.टी. बी.एच.यू., वाराणसी
6	षष्टम दिवस	27.08..2023	भारतीय औषधि परम्परा में धातु आधारित औषधियां	डॉ. वी. रामनाथन, एसोसिएट प्रोफेसर, आई.आई.टी. बी.एच..यू., वाराणसी
7	सप्तम दिवस	28.08.23	समापन एवं महापुरूषों की उपलब्धियां	प्रोफेसर उदय प्रताप सिंह, प्रतिकुलाधिपति, डॉ. जी.एन. सिहं, पूर्व औषधि महानियंत्रक, भारत

स्थापना दिवस : झलकियां

सितम्बर माह की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विश्वविद्यालय

02 सितम्बर, 2023	प्रवेश परीक्षा (बी. फार्म, डी. फार्म)
04 सितम्बर, 2023	प्रवेश परीक्षा (बी. फार्म, डी. फार्म) परिणाम घोषणा
06 से 09 सितम्बर, 2023	काउंसलिंग (बी. फार्म डी. फार्म)

विभागीय आयोजन

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

01 से 06 सितम्बर, 2023	पीरिऑडिक एसेसमेंट – 4 (सुश्रुत बैच–2022–23)
02 सितम्बर, 2023	संस्कृत गीत प्रतियोगिता
04 सितम्बर, 2023	विशिष्ट व्याख्यान
05 सितम्बर, 2023	शिक्षक दिवस एवं भाषण प्रतियोगिता

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

05 सितम्बर, 2023	शिक्षक दिवस
09 सितम्बर, 2023	अतिथि व्याख्यान (डॉ. दिनेश कुमार)
11 सितम्बर, 2023	प्रथम आंतरिक परीक्षा
23 सितम्बर, 2023	अतिथि व्याख्यान (डॉ. पंकज कुमार)

कृषि संकाय

22 सितम्बर, 2023	शैक्षणिक भ्रमण (सहकारी समिति)
29 सितम्बर, 2023	अतिथि व्याख्यान (डॉ. सौरभ मिश्रा)

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

05 सितम्बर, 2023	शिक्षक दिवस

सितम्बर माह की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

राष्ट्रीय सेवा योजना

05 सितम्बर, 2023	शिक्षक दिवस
08 सितम्बर, 2023	विश्व साक्षरता दिवस
14 सितम्बर, 2023	हिन्दी दिवस
16 सितम्बर, 2023	विश्व ओजोन दिवस
21 सितम्बर, 2023	विश्व अल्जाइमर दिवस
24 सितम्बर, 2023	राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस
28 सितम्बर, 2023	विश्व रेबीज दिवस
29 सितम्बर, 2023	विश्व हृदय दिवस

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

05 सितम्बर, 2023	शिक्षक दिवस
09 सितम्बर, 2023	चतुर्थ समेस्टर परीक्षा

अगस्त माह की प्रमुख बैठकें

02 अगस्त, 2023	सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला एवं द्वितीय स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन संबंधित बैठक	
	छात्र संसद की स्थापना एवं उसके संविधान का आलेख बनाए जाने संबंधित चुनाव अधिकारियों की बैठक	05 अगस्त, 2023
09 अगस्त, 2023	कुलसचिव महोदय की अध्यक्षता में माँ पाटेश्वरी सेवा आश्रम की समीक्षा बैठक	
	कुलसचिव महोदय की अध्यक्षता में सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित बैठक	18 अगस्त, 2023
26 अगस्त, 2023	विश्वविद्यालय के आय–व्यय संस्थागत पर विचार–विमर्श एवं समीक्षा बैठक	
	फैकल्टी ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेस के संचालन, शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति संबंधित बैठक	28 अगस्त, 2023
29 अगस्त, 2023	कुलसचिव महोदय की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक	

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय

ज्ञान से करें चुनौतियों का सामना : डॉ. वाजपेयी

मास्कर ब्यूरो

- महायोगी गोरखनाथ विवि के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में दीक्षारंभ सप्ताह कार्यक्रम

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. डॉ सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में सत्र 2023-2024 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ सप्ताह का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने मां सरस्वती के चित्र समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया।

इस अवसर पर कुलपति डॉ वाजपेयी ने कहा कि विश्वविद्यालय एक प्रयोगशाला है। सभी विद्या एक दूसरे की पूरक हैं। सभी की अपनी क्षमता है। जीवन में सदैव नई चुनौतियां आएंगी, अपने ज्ञान से उनका सामना करना होगा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से राष्ट्र और समाज के लिए संकल्पित होकर आगे बढ़ने की सीख दी। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो सुनील कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थी कभी हीन भावना न रखें। लक्ष्य पर केंद्रित रहें और अनुशासन से अपनी दिनचर्या को सुव्यवस्थित करें। कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे ने विद्यार्थियों के आत्मबल एवं आत्मविश्वास को बढ़ाते हुए उन्हें सदा सकारात्मक सोच रखने और भाईचारा की भावना जागृत करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में छात्रों तथा शिक्षकों के बीच संवाद के दौरान छात्रों ने अपने विषय, पाठ्यक्रम तथा विश्वविद्यालय से संबंधित अपने संशयों को पूछा। शिक्षकों द्वारा उनकी जिज्ञासाओं का निराकरण किया गया। इस दौरान डॉ पवन कुमार कनौजिया ने विद्यार्थियों को उनके विश्विद्यालय के नियम तथा अनुशासन से परिचित कराते हुए समस्त शिक्षकों का परिचय दिया। आभार ज्ञापन संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की सहायक आचार्य डॉ अनुपमा ओझा व संचालन प्रवक्ता प्रभा शर्मा ने किया। कार्यक्रम में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय तथा कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय के समस्त शिक्षकगण की उपस्थिति रही।

शिशु के लिए अमृतपान समान है स्तनपान

गोरखपुर (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि निदेशक डॉ. डीसी ठाकुर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में चिकित्सालय की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. खुशबू सिंह, एसीएमएस डॉ. देवी प्रसाद व डॉ. दिवाकर मिश्र मौजूद रहे। इस अवसर पर गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की विद्यार्थियों द्वारा स्तनपान के लाभ, सही विधि और स्तनपान में आने वाली छोटी - छोटी समस्याओं और उनके निवारण के विषय में गर्भवती महिलाओं और माताओं को अवगत कराया गया। डॉ. डीसी ठाकुर ने विषय पर सभी का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि स्तनपान शिशु के लिए अमृतपान के समान है। डॉ. खुशबू ने माताओं को स्तनपान का सही तरीका बताया।

कार्यक्रम में ज्योति वर्मा ने गीत के जरिये तथा बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष की 20 विद्यार्थियों ने रोल प्ले से स्तनपान के विषय में जागरूक किया। गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में श्वेता स्वेता अल्बर्ट, आस्था यादव आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

जीवन में लक्ष्य का निर्धारण जरूरी

दीक्षांत सप्ताह

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सत्र 2023-2024 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के जैव एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजर्षि गौड़ ने कहा कि जीवन में लक्ष्य का निर्धारण बहुत महत्वपूर्ण है। लक्ष्य तय होने पर ही सफलता की सटीक कार्ययोजना बनाई जा सकती है। विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाते हुए प्रो. राजर्षि ने कहा कि हमेशा अपने करिअर को लेकर सजग रहें। पढ़ाई इस प्रकार करें कि नौकरी के लिए संघर्ष न करना पड़े।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और सुझाव आमंत्रित किए। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए हम सभी को मूल्य और अनुशासन की महत्ता समझनी पड़ेगी। कहा कि हर विद्यार्थी संस्था का अनिवार्य अंग है। संस्था के सभी अंग मिलकर आगे बढ़ेंगे तभी व्यक्तिगत और सामूहिक सफलता का मार्ग प्रशस्त होगा। स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को तकनीकी क्षेत्रों में आ रहे नए-नए प्रयोगों से परिचित कराया।

महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में व्याख्यान देते प्रोफेसर राजर्षि गौड़।

उन्होंने क्रेडिट सिस्टम, ग्रेड सिस्टम, सेमेस्टर सिस्टम के बारे में चर्चा की। संचालन संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की प्रवक्ता प्रभा शर्मा ने किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विज्ञान संकाय तथा कृषि एवं उद्योग संकाय के समस्त शिक्षकों की उपस्थिति रही।

महायोगी गोरखनाथ विवि के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में दीक्षारंभ सप्ताह का चौथा दिन

लक्ष्य हासिल करने को तनाव प्रबंधन आवश्यक

गोरखपुर (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में सत्र 2023-2024 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षारंभ सप्ताह के चौथे दिन शुक्रवार को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. प्रेमसागर त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन की जानकारी दी।

प्रो. त्रिपाठी ने तनाव के विभिन्न प्रकारों एवं स्रोतों की चर्चा करते हुए तनाव से दूर रहने के कई उपाय बताते हुए। उन्होंने कहा कि यदि तनाव का समय पर प्रबंधन न किया जाए तो यह गंभीर विकार में परिवर्तित हो जाता है। इससे हमारी दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित होने लगती है। लक्ष्य हासिल करने को तनाव प्रबंधन बहुत जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को सुझाव दिया कि किसी भी विषय वस्तु पर परिजनों, गुरुजनों व मित्रों से चर्चा कर चिंतन को निष्कर्ष रूप दिया जा सकता है। प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि ध्यान व योग तनाव प्रबंधन में काफी कारगर होते हैं।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने विद्यार्थियों को विश्वद्यालयीय मूल्य एवं अवधारणा की विस्तृत जानकारी देते हुए उन्हें सदैव इमानदार तथा निडर रहने को कहा। उन्होंने प्राचीन भारतीय परम्परा कि महत्ता की भी विस्तृत व्याख्या की। दीक्षारम्भ सप्ताह के चौथे दिन डॉ. अखिलेश कुमार दुबे द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया। डॉ. पवन कुमार कनोजिया द्वारा विद्यार्थियों के बीच भाषण प्रतियोगिता व अपूर्वा आनंद सिंह द्वारा कविता, सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रतियोगिता करायी गयी। इन प्रतियोगिताओं में सभी नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुनील कुमार सिंह और संचालन प्रवक्ता प्रभा शर्मा ने किया। कार्यक्रम में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय तथा कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

बी. फार्मा व डी. फार्मा में प्रवेश को ऑनलाइन आवेदन 30 तक

(गो0मे0सं0)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर में फामेसी काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त बी.फार्मा एवं डी. फार्मा में ऑनलाइन प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि 30 अगस्त है। जबकि एमएस-सी. नर्सिंग, डिप्लोमा इन आथोर्पेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर, डिप्लोमा इन डायलसिस टेक्नीशियन, डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन में रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश की अंतिम तिथि 30 अगस्त कर दी गयी है। उक्त निर्णय महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई प्रवेश समिति की बैठक में लिए गए। बैठक की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि बी. फार्मा एवं डी. फार्मा में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा 02 सितम्बर, 2023 को संपन्न होगी। प्रवेश परीक्षा में अर्ह अभ्यर्थियों की सूची 04 सितम्बर, 2023 को प्रकाशित कर 10 सितम्बर, 2023 तक प्रवेश पूर्ण कर लिए जाएंगे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

संवाददाता

गोरखपुर, 16 अगस्त। आसपास के शहीद स्मारक एवं धार्मिक स्थल से संग्रहित मिट्टी वाले अमृत कलश पर पुष्पांजलि अर्पित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दूबे ने पंच प्रण की सभी को शपथ दिलायी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के शिवम् पाण्डेय ने भाषण, अदिति सिंह गुप ने नृत्य, मोनिका गुप्ता ने कविता, कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय की रितिका द्विवेदी ने एकल नृत्य, हरिस्वर साहनी गुप ने रामायण की चौपाई, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग की नीलिमा द्विवेदी ने भाषण, महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज की प्रियांशी गुप ने नृत्य, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के सुश्रुत बैच के अभिनव एवं अर्पिता गुप ने सामूहिक देशभक्ति गीत, सिद्धांत श्रीवास्तव नाटय दल ने नाटक तथा महंत दिग्विजयनाथ चिकित्सालय के अर्पित मिश्रा ने कविता की शानदार प्रस्तुति से सभी को राष्ट्र भावना से ओतप्रोत कर दिया। इसी क्रम में कुलपति डॉ. वाजपेयी ने वर्ष में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते देश को विश्व गुरु बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, अधिष्ठाता प्रो.सुनील कुमार सिंह, डॉ रोहित श्रीवास्तव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस.अजीथा समेत विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, चिकित्सक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस ने किया।

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि कुलपति प्रो. एके सिंह व अन्य। संवाद

नई शिक्षा नीति के अनुरूप है गोरखनाथ विवि का पाठ्यक्रम

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप है। यह रोजगार के साथ-साथ व्यावहारिक अनुसंधान को बढ़ावा देने वाला है।

यह बातें महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कालेज ऑफ नर्सिंग सभागार में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कही।

अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने की। स्वागत संबोधन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस व आभार ज्ञापन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य डॉ. डीएस अजीथा ने किया।

गोरखनाथ विवि शैक्षिक गुणवत्ता की नजीर

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि स्थापना के मात्र दो साल में गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक गुणवत्ता की नजीर पेश की है। यहां के पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप हैं। रोजगार के साथ व्यावहारिक अनुसंधान को बढ़ावा देने वाले हैं।

प्रो. सिंह मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विवि की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि विचार व्यक्त कर रहे थे। गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सभागार में आयोजित व्याख्यान में प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की स्थापना, इसके उद्देश्य, नर्सिंग सेवा व शिक्षा की वर्तमान स्थिति, विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सों में छात्रों की संख्या से अवगत कराया। आयुष विवि के कुलपति ने आयुर्वेद के परास्नातक में 60 सीटें होने तथा आयुर्वेद के टॉपर्स को प्रतिवर्ष क्रमशः 25 हजार, 15 हजार व 10 हजार का पुरस्कार देने की जानकारी भी साझा की।

कार्यक्रम में आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह का स्वागत किया गया।

गोरखनाथ विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि अंग्रेजी शासनकाल में राष्ट्रीयता की भावना को पुनः मजबूत करने के लिए महंत दिग्विजयनाथ ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर शिक्षा को नया आयाम दिया। परिषद का नव प्रकल्प महायोगी गोरखनाथ विवि दो साल के अंदर ही 1800 टेक्निकल विद्यार्थियों के साथ लगातार नए आयामों को छू रहा है। स्वागत संबोधन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस व आभार ज्ञापन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने किया।

नर्सिंग एक कला, इसमें कौशल की जरूरत: डॉ. रेणुका

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का दूसरा दिन

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के दूसरे दिन नर्सिंग सेवा पर व्याख्यान देते हुए नर्सिंग कॉलेज, एम्स की प्राचार्या डॉ. रेणुका के. ने कहा कि नर्सिंग एक कला है, इसमें श्रेष्ठता के लिए कौशल की जरूरत है। कौशल के ही दम पर भारतीय नर्सों की सेवा की विदेशों में काफी मांग है।

डॉ. रेणुका ने कहा कि नर्सों ने कोविड महामारी के दौरान सुपर हीरो बनकर फाइट किया और मानवता की महान सेवा की। आज के समय की नर्सें आधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से क्वालिटी केयर उपलब्ध करा रही हैं। नर्सिंग कला को कुशलता से जोड़कर विदेशों मे भी भारतीय नर्सें उत्कृष्टता से काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि नर्सिंग की उत्पति मां शब्द से हुई। इसके बाद इसे अलग-अलग नामों से मूल्यांकित किया गया और यह एक सम्मानित प्रोफेशन के रूप में स्थापित हुआ। डॉ. रेणुका ने नर्सों के लिए धैर्य व दयालुता के गुण को अपरिहार्य बताया। व्याख्यानमाला की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, स्वागत संबोधन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की रोजी तथा आभार ज्ञापन प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच सिंगिंग, (सोलो व ग्रुप), हिन्दी, इंग्लिश स्पीच, पेंटिंग तथा पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था लोकार्पण

गोरखनाथ विवि के स्थापना दिवस समारोह में शामिल हो सकते हैं सीएम

आयोजन

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने महज दो वर्ष में ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में उच्च, विशिष्ट व रोजगारपरक शिक्षा को नई राह दिखाई है। सोमवार को विवि स्थापना दिवस समारोह आयोजित कर रहा है। माना जा रहा है कि इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ भी शामिल हो सकते हैं।

बीएएमएस समेत 21 रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की शुरुआत, शोध-अनुसंधान के लिए कई प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ एमओयू कर इस विश्वविद्यालय ने गोरखपुर को ज्ञान की नगरी बनाने की दिशा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बीते 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का लोकार्पण हुआ था। इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति (गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री) योगी आदित्यनाथ की मंशा 2032 तक गोरखपुर को नॉलेज सिटी के रूप में स्थापित कराने की है।

रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा : इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य मूल्य संवर्धित, रोजगारपरक उस शिक्षा को बढ़ावा देना है। संबद्ध गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में बीएएमएस की पढ़ाई का सफलतापूर्वक संचालन हो रहा है। आने वाले समय में एमबीबीएस की कक्षाएं भी प्रारंभ करने की भी तैयारी है। अकेले गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में 11 रोजगारदायी पाठ्यक्रम पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। विश्वविद्यालय में मेडिकल साइंस, नर्सिंग, पैरामेडिकल, एग्रीकल्चर, एलॉयड हेल्थ साइंसेज और फार्मेसी से संबंधित डिप्लोमा से लेकर मास्टर तक के 21 पाठ्यक्रम हैं।

विभिन्न संस्थानों से करार

चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान, रोजगार व ग्राम्य विकास के क्षेत्र में गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने एम्स गोरखपुर, केजीएमयू लखनऊ, आरएमआरसी गोरखपुर, गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद, वैद्यनाथ आयुर्वेद, इंडो-यूरोपियन चैंबर ऑफ स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ आदि के साथ एमओयू का आदान-प्रदान किया है।

हर क्षेत्र में बढ़ेगा एआई का इस्तेमाल

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। यह सदी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की है। आने वाले समय में जीवन के हर क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ता दिखेगा। इसकी शुरुआत हो भी चुकी। चिकित्सा, शिक्षा, इंजीनियरिंग समेत सभी क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल सजगता से किया जाए तो यह विकास की प्रक्रिया को अभूतपूर्व तरीके से आगे बढ़ा सकती है।

यह कहना है आईआईटी बीएचयू के प्रोफेसर डॉ. एसके सिंह का। वह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यानमाला में शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में एआई ने काफी बदलाव लाए हैं। यह विद्यार्थियों और संस्थानों दोनों के लिए लाभप्रद है।

एआई संचालित असिस्टेंट की बदौलत छात्र अब शिक्षकों से संपर्क किए बिना शैक्षिक संसाधनों का इस्तेमाल कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र में क्षमता, उत्पादकता और स्थिरता को बढ़ाकर महत्वपूर्ण बदलाव ला रहा है। सुरक्षा, फाइनेंस, मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग हर क्षेत्र में एआई अपनी उपयोगिता साबित कर रही है।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता पर चर्चा की। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच माइम, पॉट डेकोरेशन तथा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

गुरु गोरखनाथ का साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने वाला : प्रो. सदानंद

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का तीसरा दिन

संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहा कि वैदिक साहित्य में महायोगी गुरु गोरखनाथ का अमूल्य योगदान है। उनका साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने के साथ सामाजिक ताने बाने को मजबूत करने वाला है। आधुनिक धर्म-पंथ प्रवर्तक भी वैदिक साहित्य में महायोगी गोरखनाथ जी की महत्ता को स्वीकार करते हैं। प्रो. गुप्त महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के तीसरे दिन महायोगी गुरु गोरखनाथ का साहित्य विषय पर बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने गोरखनाथ जी के प्रभावशाली व्यक्तित्व और उनके द्वारा रचित साहित्य की चर्चा करते हुए कहा कि गुरु गोरखनाथ जी की छाप गुरुनानक देव और संत कबीर के उपदेशों में भी दिखती है। प्रो. गुप्त ने कहा कि गुरु गोरखनाथ ने न केवल योग बल्कि अपने द्वारा रचित साहित्य से भी मानव समाज के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। गोरख साहित्य हर कालखंड के लिए समाज का मार्गदर्शक साहित्य है।

व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने भी गुरु गोरखनाथ के व्यक्तित्व का स्मरण किया। आभार ज्ञापन कृषि विभाग के अध्यक्ष डॉ. बिमल कुमार दूबे ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच डांसिंग, (सोलो, ग्रुप) हिन्दी, इंग्लिश निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया

आध्यात्मिक व सांस्कृतिक शक्ति से विश्व गुरु रहा है भारत- प्रो. टीपी सिंह

गोरखपुर,२७ अगस्त। बीएचयू के राजनीति शास्त्र के प्रोफेसर ;डॉण्द्ध तेज प्रताप टीपी सिंह ने कहा कि भारत अपनी सैन्य शक्ति की वजह से नहीं बल्कि आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक शक्ति से विश्व गुरु रहा है। भारत भौतिकवाद की बजाय अध्यात्मवाद की धरा है। इसका सांस्कृतिक प्रभाव पूर्वी एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया तक होने के बावजूद इसने कभी इन क्षेत्रों में औपनिवेशिक प्रभुत्व कायम करने का प्रयास नहीं किया। औपनिवेशिक विस्तार कभी भी भारतीय मूल्यों में शामिल नहीं रहा है।

प्रो. सिंह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के छठवें दिन रविवार को बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने अपनी बात को तथ्य से जोड़ते हुए कहा कि प्राचीन काल में रावण पर विजय प्राप्त करने के पश्चात प्रभु श्रीराम ने लंका पर आधिपत्य करने की बजाय रावण के छोटे भाई विभीषण को वहां का राजा बनाया।

प्रो.सिंह ने जी.20 के उद्भव और अब तक की इसकी प्रगति यात्रा का सविस्तार उल्लेख करते हुए कहा कि जी.20 उन देशों का समूह है जो वर्तमान में विश्व की 85 प्रतिशत जीडीपीए 75 प्रतिशत विश्व व्यापार पर अधिकार रखते हैं। आजादी के अमृतकाल में भारत विश्व के इस सबसे महत्वपूर्ण समूह ;संगठनद्ध की अध्यक्षता कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती शक्ति विश्व के अन्य देशों के लिए खतरा नहीं है। जबकि चीन की बढ़ती शक्ति ने कई देशों के लिए खतरा उत्पन्न किया। खुद भारत उसकी आक्रामक और कपटपूर्ण नीतियों से पीड़ित रहा है। भारत की बड़ी शक्ति के मामले में ऐसा बिलकुल भी नहीं है। यही वजह है कि चीन की बढ़ती ताकत से चिंतित रहा विश्व समुदाय भारत की बढ़ती शक्ति से भयभीत होने की बजाय विश्व कल्याण हेतु आशान्वित है।

♦ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का छठवां दिन

व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ.अतुल वाजपेयी ने कहा कि प्राचीन काल की भांति भारत एक बार पुनः विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। स्वागत संबोधन गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफमेडिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.विनम्र शर्मा ने तथा आभार ज्ञापन डॉ.नवीन के.ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच क्विज, फैशन शो तथा एक्जीबिशन कंपटीशन का भी आयोजन किया गया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में मेधावियों को सम्मानित करते अतिथि। संवाद

महान कर्मयोगियों के विचारों का मूर्त रूप है विश्वविद्यालय

महायोगी गोरखनाथ विवि के द्वितीय स्थापना दिवस पर समारोह का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय दो महान कर्मयोगियों ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के विचारों का मूर्त रूप है। यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यों और आधुनिक तकनीकी का संगम बनकर कार्य कर रहा है।

ये बातें पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने कहीं। वह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने कहा कि वर्ष 1932 में महंत दिग्विजय नाथ ने शैक्षिक जागृति का जो पौध रोपा था, वह अब वटवृक्ष बन चुका है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि स्थापना के अवसर पर 28 अगस्त 2021 को यहां 550 छात्र थे, आज यह संख्या बढ़कर 1800 से अधिक हो चुकी है। बहुत जल्द यहां विश्व स्तरीय पंचकर्म केंद्र भी शुरू हो जाएगा। डॉ. वाजपेयी ने कहा कि यहां जो छात्र संसद गठित होगा, वह पूरे विश्व के लिए रोल मॉडल बनेगा।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा के साथ भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। कहा कि अवस्थापना, अध्ययन, अध्यापन, अध्यात्म व अनुसंधान इस विश्वविद्यालय के आधार स्तंभ हैं। एक साल में यहां विश्व स्तरीय डिजिटल लाइब्रेरी विकसित हो जाएगी। सितंबर माह में यहां छात्र संसद का चुनाव होने जा रहा है।

छात्र संसद के प्रतिनिधि विश्वविद्यालय प्रशासन के विभिन्न समितियों में भागीदारी करेंगे। आभार ज्ञापन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस ने किया। इस अवसर पर सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

आध्यात्मिक शक्ति से विश्व गुरु रहा भारत

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला
- औपनिवेशिक विस्तार कभी भी भारतीय मूल्यों में शामिल नहीं रहा प्रो. टीपी सिंह

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र के आचार्य प्रो. टीपी सिंह ने कहा कि भारत अपनी सैन्य शक्ति की वजह से नहीं बल्कि आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक शक्ति से विश्व गुरु रहा है। भारत भौतिकवाद की बजाय अध्यात्मवाद की धरा है। इसका सांस्कृतिक प्रभाव पूर्वी एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया तक होने के बावजूद इसने कभी इन क्षेत्रों में औपनिवेशिक प्रभुत्व कायम करने का प्रयास नहीं किया। औपनिवेशिक विस्तार कभी भी भारतीय मूल्यों में शामिल नहीं रहा है।

प्रो. सिंह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में परिसर में आयोजित सात दिवसीय व्याख्यानमाला के छठे दिन रविवार को बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। प्रो. सिंह ने जी-20 के उद्भव और अबतक की इसकी प्रगति यात्रा का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि जी-20 उन देशों का समूह है जो वर्तमान में विश्व की 85 प्रतिशत जीडीपी, 75 प्रतिशत व्यापार पर अधिकार रखते हैं। आजादी के अमृतकाल में भारत विश्व के इस सबसे महत्वपूर्ण समूह (संगठन) की अध्यक्षता कर रहा है।

महायोगी गोरखनाथ विवि में व्याख्यान देते प्रो. टीपी सिंह● सौ. गोरखनाथ विश्वविद्यालय

उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती शक्ति विश्व के अन्य देशों के लिए खतरा नहीं है। कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने कहा कि प्राचीन काल की भांति भारत एक बार फिर विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। स्वागत डा. विनम्र शर्मा, आभार ज्ञापन डा. नवीन ने किया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से मिल सकती है विकास को गति

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कालेज) में रविवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आइआइटी, बीएचयू के प्रोफेसर डा. एसके सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सिखाने और सीखने के तरीके में क्रांति लाने की क्षमता है। इसका उपयोग कर, शिक्षक प्रत्येक छात्र का बेहतर मार्गदर्शन कर सकते हैं। चिकित्सा, शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में इसका उपयोग सजगता से किया जाए तो, इससे विकास की प्रक्रिया को गति मिलेगी। संचालन आशीष चौधरी ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, सभी विभागों के अध्यक्ष, शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे। विज्ञप्ति

निमार्णाधीन परिसर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

सम्पादक

प्रभा शर्मा

संपादक मण्डल

डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, अनामिका जायसवाल

mguniversitygkp@mgug.ac.in

https://www.mgug.ac.in/

+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur